CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-347
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 18 मार्च 2024

आज का विचार

मनुष्य के जीवन की सफलता इसी में है कि वह उपकार करने वाले व्यक्ति को कभी न भूले। –वेद व्यास

पेज-04

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में भाजपा काफी आगे नजर आ रही है...

भाजपा की घर-घर, दस्तक कांग्रेस को उम्मीदवारों की तलाश

भोपाल। मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के लिए चार चरणों में चुनाव होंगे। बात करें कि राजनईडीतक दलों की तैयारियों की तो भाजपा काफी आगे नजर आ रही है। भाजपा घरों में दस्तक देने लगी है तो कांग्रेस पार्टी में मची भगदड़ रोकने और अपने प्रत्याशियों को तलाशने ही व्यस्त दिख रही है। वहीं समाजवादी पार्टी को कांग्रेस ने एक सीट दी है, जहां सपा की कोई तैयारी फिलहाल नजर नहीं आ रही। भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए। जबकि कांग्रेस ने 10 सीटों पर टिकट डिक्लेयर किए हैं। कांग्रेस प्रदेश की 28 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। एक सीट खजुराहो समझौते के तहत समाजवादी पार्टी को दे ही है। कांग्रेस को कुछ सीटों पर प्रत्याशी चयन में ही दिक्कत आ रही है। बड़े नेता अब तक राज्य में संगठनात्मक रूप से सक्रिय कम ही दिखे हैं। भाजपा ने अपने लोकसभा समन्वयकों को हर लोकसभा में भेजकर आकलन किया। कांग्रेस ने भी प्रत्याशियों की लिस्ट तो तैयार की, लेकिन नाम घोषित नहीं किए। लक्ष्मण सिंह से लेकर तमाम बड़े नेता सवाल उठा रहे हैं कि नाम घोषित करने में देरी क्यों...

मप्र को 7 क्लस्टर में बांटा, सात बड़े नेताओं को सौंपी जिम्मेदारी

भाजपा ने सभी 29 सीटों पर काफी पहले ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। सभी सीटों पर प्रभारी और संयोजक नियुक्त कर दिए गए थे। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने मध्यप्रदेश को 7 क्लस्टरों में बांटा है और सात बड़े नेताओं को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। जबकि 11 सीट ऐसी हैं, जहां लोकसभा प्रभारी और संयोजक के साथ सहसंयोजक भी बनाए गए हैं।

बड़े नेता दो-दो घंटे का समय बूथ पर दे रहे

15 जनवरी से भाजपा ने दीवार लेखन अभियान शुरू किया है। इसके तहत दीवारों पर भाजपा के पक्ष में नारे लिखे जा रहे हैं। इससे भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की तैयारी है। भाजपा बूथ को मजबूत करने की तैयारी है। पार्टी इस अभियान के जरिए सभी बूथ और पन्ना-अर्ध पन्ना प्रभारियों की सक्रियता से लेकर मतदाताओं से भी सम्पर्क साध रही है। इस अभियान में भाजपा के बड़े नेता दो-दो घंटे का समय बूथ पर दे रहे हैं और रणनईडीत पर चर्चा कर रहे हैं। बूथ विजय अभियान के तहत पार्टी के 41 लाख कार्यकर्ता प्रतिदिन दो घंटे बूथ पर रहेंगे। इस दौरान पार्टी के पक्ष में दस प्रतिशत मत की वृद्धि के लिए प्रबुद्धजन के साथ-साथ पन्ना प्रमुखों से संवाद करेंगे।

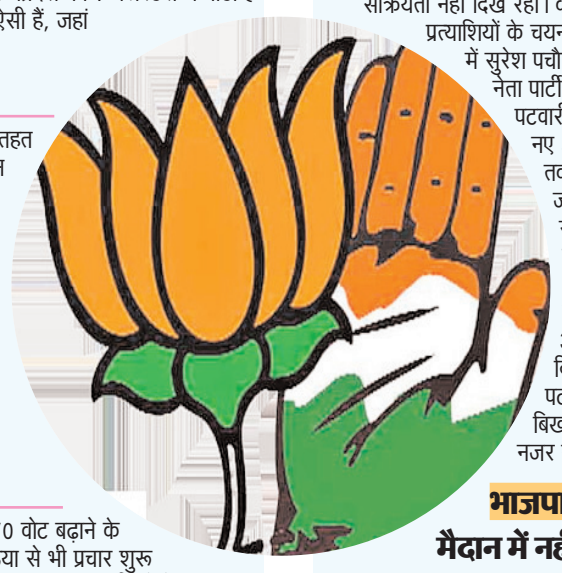

एप जारी किया, लोगों तक पहुंच रही सरकार की योजनाओं की जानकारी

बूथ विजय अभियान के तहत प्रदेश में 64,523 बूथों पर कार्यकर्ता 370 वोट बढ़ाने के लिए 22 मार्च तक निरंतर जाएंगे। इसके अलावा भाजपा ने सोशल मीडया से भी प्रचार शुरू कर दिया है। एप जारी कर दिया है, जिससे सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी लोगों तक पहुंच रही है। भाजपा ने महिला वोटों पर भी फोकस बढ़ा रखा है। इस बार छह महिलाओं को टिकट दिया गया है। प्रदेश के विधानसभा चुनावों की बंपर जीत में महिलाओं का बड़ा योगदान था। भाजपा इसे बनाए रखना चाहती है। लाडली बहना योजना का पैसा हर महीने बहनों के खाते में जा ही रहा है।

हर मतदाता तक पहुंचना लक्ष्यः भाजपा

भाजपा के प्रवक्ता आलोक दुबे का कहना है कि भाजपा की मजबूती बूथ स्तर से है। मतदाता तक पहुंच है। समाज के प्रतिष्ठित वर्ग तक है। हम ज्यादा से ज्यादा से मतदान को प्रेरित करते हैं। प्रचार अभियान सेकेंडरी है। भाजपा के पास हितग्राहियों का लंबा वोटबैंक है। भाजपा ने किसान, गरीब मजदूर जैसे बड़े वर्ग के लिए काम किया है। मोदी लहर बड़ी जीत का आधार बनेगी। मजबूत संगठन, मजबूत जनसंपर्क, मजबूत की लहर के साथ प्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा जीतेगी। वहीं कांग्रेस को लेकर दुबे ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व तार-तार है। मुद्दा विहीन है। कांग्रेस ने वरिष्ठों नेताओं को हाशिए पर कर दिया है। इसलिए लोग छोड़कर जा रहे हैं। कांग्रेस किन मुद्दों पर जनता के पास जाएगी। कांग्रेस की मानसिकता पराजय से ग्रसित होती जा रही है। स्थानीय क्षत्रपों का राज खत्म हो गया है। पार्टी पहले इन्हीं के भरोसे थे। नया नेतृत्व इन नेताओं को रास नहीं आ रहा है।

नए अध्यक्ष संगठन को संगठित करने में जुटे

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस फिलहाल पिछड़ी नजर आ रही है। चुनाव को लेकर कोई सक्रियता नहीं दिख रही। कांग्रेस इस वक्त पार्टी में मची भगदड़ रोकने और सीटों पर प्रत्याशियों के चयन में उलझी है। कई दिग्गज पार्टी छोड़ते जा रहे हैं। हाल ही में सुरेश पचौरी, संजय शुक्ला, विशाल पटेल, अंतर सिंह दरबार जैसे बड़े नेता पार्टी से किनारा कर चुके हैं। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पार्टी में मची भगदड़ को रोकने के लिए बैठकें कर रहे हैं। नए अध्यक्ष संगठन को संगठित करने में जुटे हैं। कांग्रेस ने अभी तक सिर्फ 10 सीटों पर ही नाम तय किए हैं। कई जगह कहा जा रहा है कि भाजपा को टक्कर देने वाले प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। कहीं दावेदार ही आगे नहीं आ रहे। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि पार्टी की तैयारियां चल रही हैं। पार्टी की ओर से नाम तय हो गए हैं, उनके एलान के लिए सही समय का इंतजार किया जा रहा है। पार्टी के बड़े नेता ही नजर नहीं आ रहे। कमलनाथ छिंदवाड़ा तक सईडीमत हो गए हैं। दिग्विजय सिंह बीते कुछ दिनों से नजर नहीं आ रहे हैं। जीतू पटवारी पार्टी को एक करने में व्यस्त हैं। कुल मिलाकर कांग्रेस बिखरी हुई है और लोकसभा चुनाव को लेकर फिलहाल मैदान में नजर नहीं आ रही।

भाजपा और कांग्रेस के अलावा कोई और दल मैदान में नहीं

मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के अलावा कोई और दल मैदान में नहीं है। महागठबंधन के कारण बीते चुनाव में भाग्य आजमाने उतरी पार्टियां भी शांत हैं। प्रदेश की सीमा से लगे उत्तर प्रदेश की सपा और बसपा भी यहां सटे इलाकों में प्रभाव रखती हैं। कांग्रेस और सपा के समझौते के तहत खजुराहो लोकसभा सीट सपा के लिए छोड़ी गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती भी कह चुकी हैं कि प्रदेश की कई सीटों पर वे अपने प्रत्याशी उतारेंगी। हालांकि अभी तक कोई तैयारी नहीं दिख रही है। आम आदमी पार्टी भी विधानसभा चुनावों में सक्रिय थी, पर वो भी इस चुनावों में अभी तक कोई सक्रियता नहीं दिखा पाई है।

कांग्रेस आज देगी अगली लिस्ट

कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा का कहना है कि कांग्रेस की तैयारी जारी है। हम अधिसूचना का इंतजार कर रहे थे। सोमवार तक हमारे सभी शेष प्रत्याशियों के नामों का एलान कर देंगे। हम जनता तक पहुंचने के लिए प्लानिंग कर रहे हैं। सभाएं, रैलियां की जाएंगी। सोशल मईडीडया पर हम सक्रिय हैं। भाजपा के दीवार लेखन सहित अभियानों पर मिश्रा का कहना है कि भाजपा प्रोपैगेंडा करती है। दीवार लेखन फोटो खिंचाने का अभियान था। फोटो खिंचाकर कहां दिख रहे उनके नेता। भाजपा को मैदान में जवाब देना पड़ेगा।

16 सीट पर चुनाव लड़ेगी सीएम नीतीश की पार्टी!

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, पशुपति पारस की पार्टी को लोकसभा सीट शेयरिंग को लेकर मंथन जारी है। इधर, सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को 16 सीटें मिलने की बात सामने आ रही है। जदयू के वरीय नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा है कि हमारी पार्टी 16 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इतने ही सीटों पर हमारे सांसद हैं। इस बार थोड़े फेरबदल के साथ 16 सीटें हमें मिल गईं। वहीं जदयू के सांसद और सीएम नीतीश कुमार के करीबी सांसद संजय झा ने कहा है कि एनडीए में सीट शेयरिंग की बात अंतिम चरण में है। जल्द ही लिस्ट जारी हो जाएगी। पशुपति कुमार पारस ने भी हाजीपुर, समस्तीपुर और नवादा पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि हमारे साथ न्याय नहीं हो रहा। हमलोग एनडीए की लिस्ट का इंतजार कर रहे। इसके बाद हमलोग कोई कदम उठाएंगे। उनके इस बयान ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के माथे पर शिकन ला दी है। हालांकि, चर्चा पशुपति पारस की पार्टी को समस्तीपुर सीट देने की थी। लेकिन, उनके बागी तेवर के बाद कुछ बदलाव हो सकता है। वहीं उपेंद्र कुशवाहा तीन और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी दो सीट मांग रहे। इन्हें एक-एक सीट मिलने बात सामने आ रही है। चिराग पासवान की पार्टी भी पांच सीट मिलने का दावा कर रही है। मुकेश सहनी भी मुजफ्फरपुर समेत दो लोकसभा सीट चाह रहे हैं। शीर्ष नेतृत्व जल्द ही बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर घोषणा कर देगी।

2027 तक होगा कार्यकाल

दत्तात्रेय होसबाले फिर बने आरएसएस के सरकार्यवाह

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने एक बार फिर सरकार्यवाह के पद के लिए दत्तात्रेय होसबाले चुना है। वह साल 2024 से 2027 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे। बता दें, होसबाले 2021 से सरकार्यवाह की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। नागरपुर में चल रही प्रतिनिधि सभा में 17 मार्च को इसका एलान किया गया। बता दें कि आज इस बैठक का आखिरी दिन है। संघ की प्रतिनिधि सभा ने सर्वसम्मति से एक बार फिर अगले तीन साल के लिए दत्तात्रेय को सरकार्यवाह चुना है। साल 2021 से पहले वह सह सरकार्यवाह का दायित्व संभाल रहे थे। इससे पहले भैयाजी जोशी सरकार्यवाह की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

समाज में संघ का प्रभाव बढ़ रहा दत्तात्रेय होसबोले कहते हैं, ह्यसमाज में संघ का प्रभाव बढ़ रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ह्यअक्षत वितरणह्ल दौरान जिस तरह से देश भर में लोगों ने हमारा स्वागत किया, वह देश के माहौल को दिखाता है। राम मंदिर भारत की सभ्यता और उसकी संस्कृति का प्रतीक है। श्रीराम देश की सभ्यतागत पहचान हैं, यह बात बार-बार सिद्ध हुआ है और 22 जनवरी को एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है। आरएसएस या इसकी विचारधारा वाले लोगों ने लगभग 20 करोड़ घरों से संपर्क किया है। यह भारत के इतिहास में एक रिकॉर्ड है कि ऐसा सिर्फ 15 दिनों में हुआ है।

महादेव सट्टा ऐप में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम पर एफआईआर

रायपुर। महादेव सट्टा ऐप केस में ईओडब्ल्यू (आर्थिक अनुसंधान शाखा) ने ईडी की शिकायत पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत 21 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की है। इसमें ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत कई अज्ञात पुलिस अफसर और कारोबारियों के नाम भी शामिल हैं। ईडी की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा गया है कि महादेव ऐप प्रमोटर्स को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही प्रभावशाली राजनईडीतक व्यक्तियों का संरक्षण प्राप्त था। ऐप के प्रमोटर्स की ओर से कार्रवाई रोकने के लिए इन आरोपियों को बड़ी राशि नियमित रूप से प्रोटेक्शन मनी के रूप में दी गई। एफआईआर की यह कॉपी वायरल है। इसमें छटे नंबर पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल का नाम है। उनके अलावा ऐप प्रमोटर रवि उप्पल, शुभम सोनी, चंद्रभूषण वर्मा, आसीम दास, सतीश चंद्राकर, नीतीश दीवान, सौरभ चंद्राकर, अनिल कुमार अग्रवाल, विकास छापरिया, रोहित गुलाटी, विशाल आहूजा, धीरज आहूजा, अनिल कुमार दम्मानी, सुनील कुमार दम्मानी, भीम सिंह यादव, हरिशंकर टिंबरेवाल, सुरेंद्र बागड़ी, सूरज चोखानी और संबंधित अज्ञात ब्यूरोक्रेट्स, पुलिस अफसर और ओएसडी शामिल हैं। एफआईआर की यह कॉपी वायरल है। इसमें छटे नंबर पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल का नाम है। उनके अलावा ऐप प्रमोटर रवि उप्पल, शुभम सोनी, चंद्रभूषण वर्मा, आसीम दास, सतीश चंद्राकर, नीतीश दीवान, सौरभ चंद्राकर, अनिल कुमार अग्रवाल, विकास छापरिया, रोहित गुलाटी, विशाल आहूजा, धीरज आहूजा, अनिल कुमार दम्मानी, सुनील कुमार दम्मानी, भीम सिंह यादव, हरिशंकर टिंबरेवाल, सुरेंद्र बागड़ी, सूरज चोखानी और संबंधित अज्ञात ब्यूरोक्रेट्स, पुलिस अफसर और डरऊ शामिल हैं।

हर साल 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन

प्लास्टिक में 13 हजार रसायन, इसमें 4200 इंसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भारी नुकसानदेह

नई दिल्ली। प्लास्टिक में 16,325 रसायन मौजूद हैं। इनमें 26 फीसदी यानी 4,200 रसायन इन्सानों और पर्यावरण दोनों के लिए भारी नुकसानदेह हैं। यूरोप के वैज्ञानिकों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने प्लास्टिक में करीब 13,000 रसायनों की पहचान की थी। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इनमें से केवल छह फीसदी रसायन ऐसे हैं, जिन्हें वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विनियमित किया जाता है। इसके अलावा कई खतरनाक रसायनों का उत्पादन बड़ी मात्रा में किया जाता है।

सभी प्लास्टिक हानिकारक- नॉर्वेजियन रिसर्च काउंसिल के सहयोग से तैयार की गई स्टेट ऑफ द साइंस ऑन प्लास्टिक केमिकल्स नामक रिपोर्ट के मुताबिक, जितने भी तरह के प्लास्टिक का अध्ययन किया गया है वे सभी हानिकारक रसायन छोड़ते हैं। कभी बेहद उपयोगी समझा जाने वाला प्लास्टिक आज दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन चुका है।

13 हजार से ज्यादा रसायनों की हुई थी पहले पहचान

बुनियादी जानकारी का आभावज रिपोर्ट के मुताबिक, प्लास्टिक में पाए जाने वाले एक चौथाई से अधिक ज्ञात रसायनों की पहचान के बारे में बुनियादी जानकारी का अभाव है। आधे से अधिक के बारे में उनके कार्यों और प्रयोगों के बारे में पब्लिक डोमेन में अस्पष्ट जानकारी है। कौन सा देश कितने प्लास्टिक का उत्पादन कर रहा है और कितना प्लास्टिक कचरा पैदा हो रहा है, इस बारे में भी आंकड़ों का आभाव है। यह बेहद चिंताजनक है कि 10 हजार से अधिक रसायनों से जुड़े खतरों को लेकर जानकारी का आभाव है।

66 फीसदी रसायन चिंता का विषय

प्लास्टिक में उपयोग के लिए 1,300 से अधिक रसायनों का व्यापार किया जाता है और अच्छी तरह से अध्ययन किए गए प्लास्टिक प्रकारों में पाए जाने वाले 29 से 66 फीसदी रसायन चिंता का विषय हैं। यानी पैकेजिंग से लेकर सामान्य इस्तेमाल तक के प्लास्टिक के सभी प्रमुख प्रकारों में 400 से अधिक खतरनाक रसायन मौजूद हैं।

हर साल 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन

वैश्विक स्तर पर हर साल करीब 40 करोड़ टन प्लास्टिक उत्पादित किया जाता है। इसमें से केवल नौ फीसदी प्लास्टिक ही रीसाइकल किया जाता है। यदि इस समस्या पर गंभीरता से गौर न किया गया तो जलीय पारिस्थितिक तंत्र में जगह बनाने वाले प्लास्टिक कचरे की मात्रा 2040 तक करीब 2.9 करोड़ टन पर पहुंच जाएगी।

इंदौर, भोपाल ,जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, होशंगाबाद, सतना, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छतरपुर, गुना, सीधी, उमरिया, छग, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब एव नई दिल्ली से प्रसारित

सिंगल कॉलम

मध्य प्रदेश के आदिवासी अंचल में आज से छाएगा भगोरिया हाट का उल्लास

इंदौर । आदिवासी अंचल के झाबुआ, आलीराजपुर और धार जिले में सोमवार से भगोरिया लोक उत्सव का उल्लास छाएगा। एक सप्ताह तक नगर, कस्बे और ग्राम में हाट-बाजार के दिन भगोरिया मेले लगेंगे। हजारों की संख्या में पारंपरिक परिधान में आदिवासी समाजजन इन मेलों में शिरकत करेंगे तथा ढोल-मांदल की थाप और बांसुरी की तान पर जमकर थिरकेंगे। बता दें कि होली के एक सप्ताह पूर्व से आदिवासी अंचल में भगोरिया मेले की परंपरा है। इन मेलों में प्राचीन आदिवासी संस्कृति देखने को मिलती है। सोमवार को झाबुआ व आलीराजपुर जिलों में आलीराजपुर शहर, चंद्रशेखर आजादनगर, पेटलावद, रंभापुर, मोहनकोट, कुंदनपुर, रजला, बडागुडा व मेड़वा में भगोरिया मेला लगेगा।

नागपुर में मौसम खराब होने से तीन उड़ान इंदौर की गई डायवर्ट

इंदौर। मुंबई और अहमदाबाद से नागपुर जाने वाली उड़ानें रविवार देर रात इंदौर एयरपोर्ट पर डाइवर्ट की गई। नागपुर में अचानक मौसम में आई खराबी की वजह से उड़ानों को रास्ते से ही इंदौर की तरफ डायवर्ट किया गया। एक के बाद एक तीन उड़ानें इंदौर एयरपोर्ट पर उतरी। कुछ देर बाद मौसम साफ होने से दो उड़ानें नागपुर के लिए वापस उड़ान भर गई, लेकिन एक विमान में आई तकनीकी समस्या की वजह से यात्रियों को सोमवार सुबह दूसरी उड़ान से नागपुर के लिए रवाना किया गया। नागपुर एयरपोर्ट पर रविवार रात्रि में मौसम की खराबी की वजह से दृश्यता कम हो गई। इस वजह से देर रात नागपुर पहुंचने वाली उड़ानों को इंदौर डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार सबसे पहले एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 629 मुंबई-नागपुर 9.10 बजे इंदौर डाइवर्ट हुई, जिसमें 166 यात्री स्वर थे।

इसके बाद इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 5064 मुंबई से नागपुर, 9.40 पर इंदौर डाइवर्ट हुई, जिसमें 228 यात्री सवार थे। इंडिगो की ही 6ई 7247 अहमदाबाद-नागपुर रात 10 बजे इंदौर डायवर्ट हुई। इसमें 82 यात्री स्वर थे। तीनो विमानों के लेंड करते ही नागपुर का मौसम साफ हो गया। इसके बाद इंडिगो के दोनों विमानों में ईंधन भर कर नागपुर के लिए रवाना किया गया। 6ई 5064 मुंबई-नागपुर उड़ान रात 10.50 बजे इंदौर एयरपोर्ट से नागपुर के लिए रवाना हुई। जबकि 6ई 7247 अहमदाबाद-नागपुर उड़ान रात 10 बजे नागपुर के लिए रवाना हुई।

यात्रियों को होटल में ठहराया

एयर इंडिया की उड़ान इंदौर में लैंड करने के बाद वापस उड़ान नहीं भरी। तकनीकी कारण से विमान उड़ान नहीं भर सका और यात्री नागपुर नहीं जा सके। विमान में सवार सभी 166 यात्रियों को होटल में ठहराया गया। सोमवार सुबह की उड़ान से सभी यात्रियों को नागपुर भेजा गया।

जीवन में विश्वास, भरोसा है तो कंकर में भी शंकर : पं. नारायण शास्त्री

इंदौर। शिव महापुराण की कथा जो मनुष्य दिल से श्रवण कर लेता है, तीन महीने में उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। शंकरजी का विश्वास शिवरूपी तत्व को अपने मन में लेकर कथा से जाना, कथा से शक्ति भक्ति भक्तों को अवश्य प्रदान होती है। आपका का समय होता है जब आपके साथ दुनिया के लोग होते हैं मगर आपके साथ में हमेशा देवों के देव महादेव है। जीवन में विश्वास - भरोसा है तो कंकर में भी शंकर प्रकट हो जाते है इसलिए विश्वास व भरोसा जरूरी है। हर व्यक्ति के मन में हृदय में शिव विराजे है, माता - पिता को अपने बच्चो में अच्छे संस्कार जरूर देना चाहिए बच्चों को प्रतिदिन भगवान शिव का अभिषेक पूजन अर्चन जरूर करना चाहिए। हर व्यक्ति को प्रतिदिन भगवान शिव उपासना कर स्वयं के कल्याण मार्ग खोलने की आवश्यकता है।

शिवमहापुराण कथा का समापन

यह बात पं. नारायण शास्त्री ने नौलखा स्थित श्री सिद्धेश्वर वीर हनुमान मंदिर में कही। वे सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मंदिर के महंत महेशानंद महाराज और महंत प्रकाशानंद महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर में आयोजित सात दिनों से चल रही शिव महापुराण कथा का समापन हुआ।

पं. नारायण शास्त्री ने भगवान शिव के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा सुनने बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे, भजनों पर महिलाएं झूम उठी। कथा में सैकड़ो महिलाओं ने भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए। सुबह महादेव का अभिषेक पूजन अर्चन किया गया, शाम को पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर अभिषेक किया। कथा पिछले सात दिनों से चल रही थी।

इंदौर में कचरे की आग पौधों तक पहुंची, चार घंटे लगे बुझाने में

सिटी चीफ इंदौर।

स्कीम नंबर-140 में कचरा जलाने के दौरान उठी आग की लपटे वहां लगाए पौधों तक पहुंच गई। हवाएं चलने से आग तेजी से फैल गई। इसकी चपेट में आने से पौधे झुलस गए। आग को बुझाने में चार घंटे से अधिक का समय लगा। तीन टैंकर पानी का छिड़काव करने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी से वन विभाग का पौधारोपण काफी प्रभावित हुआ है। रहवासियों के मुताबिक यहां जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। भूमाफिया कब्जा करने के लिए आए दिन आग लगाते है। हालांकि महीनेभर में यहां दूसरी मर्तबा आग लगी है। स्कीम नंबर-140 में दो हजार पौधे रोपे गए है। वर्ष 2020 में लगाए ये पौधे पांच से छह फीट ऊंचे हो चुके है। रविवार दोपहर दो बजे वहां कचरा जलाया गया। थोड़ी देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते आग पौधारोपण स्थल तक पहुंच गई। हवा चलने से करीब पंद्रह मिनट में आग फैल गई। आग को देखकर रहवासियों ने वन विभाग और पीटीएस को सूचना दी। पौने तीन बजे तक दोनों विभाग से 30 कर्मचारी पहुंच गए। इस बीच फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद तीन बजे से आग बुझाने का काम शुरू हो पाया। तीन टैंकर पानी के छिड़काव के बावजूद आग बुझ नहीं पाई। बाद में वनकर्मियों ने झाड़ियों व पत्तियों से आग पर काबू पाया। करीब साढ़े छह बजे आग पर काबू पाया गया। कचरा जलाने पर प्रतिबंध प्रतिबंध होने के बावजूद लोग कचरा में आग लगते है। निगमकर्मी इस ओर ध्यान नहीं देते है। रहवासी बताते है कि बाउंड्रीवाल बनने से यहां कचरा पड़ा रहता है। पहले दीवार नहीं होने से बकरी व गाय यहां हरियाली खाने आती थी, मगर अब इन्हें आने के लिए कोई जगह नहीं है। इसके चलते लोग कचरे में आग लगा देते है।

सुखदेव नगर में होगा समरसता फाग महोत्सव

अभिनव कला समाज में गूंजेगी पंकज उधास की गजलें

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 18 मार्च को होंगे। इसमें कहीं पंकज उधास की गजल सुनाई जाएगी तो कहीं युवा कलाकारों की हौसला अफजाई के लिए प्रदर्शनी लगेगी। इसके साथ ही भागवत कथा और फाग महोत्सव के आयोजन भी होंगे। लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग से नाम जप परिक्रमा भी निकलेगी। लक्ष्मी-वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग से नाम जप परिक्रमा सुबह 7.15 बजे निकलेगी। इसमें बड़ी संख्या में वैष्णवजन शामिल होंगे। प्रभु के नाम की महिमा का गुणगान किया जाएगा। यदि आज आप कृष्णपुरा पुल के आसपास हैं तो थोड़ा वक्त युवा कलाकारों की हौसला अफजाई के लिए निकालें और देवलालीकर कला वीथिका में लगी प्रदर्शनी 'दर्शिका' देखने पहुंच जाएं। दोपहर 1 बजे से रात 8 बजे तक आप युवा कलाकारों की कलाकृतियां निहार सकते हैं। सात दिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन विजय नगर मंगल सिटी स्थित शिव शक्ति मंदिर पर दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक होगा। इसमें कथा वाचक पं. श्री नारायण शास्त्री के मुखारविंद से कथा होगी। इसमें प्रतिदिन प्रसंग अनुसार उत्सव मनाया जाएगा। कथा का आयोजन 23 मार्च तक होगा। संस्था सृजन द्वारा रंगारंग समरसता फाग महोत्सव सुखदेव नगर चौराहा पर दोपहर 3 बजे आयोजित किया जाएगा। इसमें फाग गीतों का उल्लास छाएगा।। इसमें फाग गीतों की प्रस्तुति पर मातृशक्तियां थिरकेंगी। भोजन प्रसादी के साथ आयोजन का समापन होगा। जिन्हें पंकज उधास की गजलें सुनना अच्छा लगता है, उनके लिए अभिनव कला समाज के सभागृह में 'चांदी जैसा रंग है तेरा' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शाम 7 बजे से आरंभ होने वाले इस आयोजन का हिस्सा बन आप नायाब गजलों का आनंद ले सकते हैं।

फिल्म शूटिंग के क्षेत्र में चमक रहा इंदौर का सितारा

इन दिनों इंदौर में फिल्म खाटू श्याम जी की शूटिंग जारी है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले कलाकारों में से एक हैं दक्षिण की फिल्मों का जाना पहचाना नाम सुमन तलवार और वे शहर में आए हुए हैं। फिल्म की शूटिंग शहर के खाटू श्याम मंदिर में तो जारी है ही साथ ही विजय नगर, मालवा मिल मुक्तिधाम, स्वदेशी मिल परिसर आदि स्थानों पर भी की जा रही है। यह पहली फिल्म नहीं जिसके लिए बालीवुड को इंदौर रास आ रहा है। बीते कुछ वर्षों में शहर में फिल्म की शूटिंग को लेकर रूझान बढ़ा है पर विगत 6-7 माह में यह देखा गया है कि शूटिंग शहर के आसपास की लोकेशन पर तो हो ही रही है, लेकिन शहर में भी हो रही है। बालीवुड फिल्म इंडस्ट्री को शहर और यहां की लोकेशन के अलावा अब यहां के कलाकारों का कार्य, बोली और यहां की संस्कृति भी पसंद आने लगी है। तभी तो सीरियल, फिल्म या वेब सीरीज में इंदौरी अंदाज कई बार नजर आता है। शहर की ओर बढ़ते रूझान के कारणों पर ध्यान दिया जाए तो इसकी एक बड़ी वजह शहर की बदली-बदली सूरत, ब्रांड की तरह उभरा शहर, बेहतर होता इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय कलाकारों का वक्त के साथ कदमताल मिलाते हुए कार्य करना भी है। शहर में अगर आलीशान इमारतें, पांच सितारा होटल और स्वच्छता है तो यहां प्राचीन इमारतें, पुराने मकान, तंग गलियां, चौड़े रास्ते भी हैं जो हर तरह की फिल्म और सीरियल के लिए माकूल साबित होते हैं। इसके अलावा फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई लेखक हैं जो इंदौर के हैं, ऐसे में वे अपने लेखन के जरिए भी शहर को पहचान दिला रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भाषा और संस्कृति को लेकर दौर चलता है। एक वक्त था जब फिल्म और टीवी सीरियल में पंजाब, उत्तर प्रदेश, दक्षिण भारत या गुजरात की संस्कृति बहुतायत से बताई जाती थी इसलिए शूटिंग भी वहां होती थी। फिर मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड और भोपाल को लिया जाने लगा। अब मालवा की बारी है इसलिए इंदौर-उज्जैन को फिल्मों में शामिल किया जा रहा है।

मिक्सिंग और डबिंग भी हो रही यहां

म्यूजिक अरेंजर राजेश गुड्डू मिश्रा बताते हैं वर्तमान में भोपाल और इंदौर में ही रिकार्डिंग और मिक्सिंग भी कुशलता से होने लगी है। इसके लिए यहां बेहतर स्टूडियो भी बन गए हैं। ऐसे में निर्माता-निर्देशकों को सुविधा मिलने लगी है और मुंबई की अपेक्षा यहां कम खर्च में काम हो जाता है। यही नहीं वे यहां गायक और म्यूजिक अरेंजर भी लेने लगे हैं जिससे स्थानीय कलाकारों को मौका मिल रहा है। वर्तमान में शहर में 8 से 10 डबिंग व मिक्सिंग स्टूडियो बन गए हैं जहां स्तरीय कार्य हो रहा है। फिल्म, टेलीविजन धारावाहिक और वेबसीरीज के अलावा म्यूजिक एलबम की शूटिंग और रिकार्डिंग भी यहां हो रही है। यदि गायक कोई बड़ा कलाकार नहीं है तो स्थानीय आलादर्जे के कलाकारों को भी मौका दिया जा रहा है।

स्थानीय कलाकारों को मिल रहा लाभ

लाइन प्रोड्यूसर और अभिनेता गुलरेज खान बताते हैं कि वर्तमान में शहर में ही प्रतिवर्ष 20 से 25 प्रोजेक्ट की शूटिंग होने लगी है। इसका लाभ स्थानीय कलाकारों को मिल रहा है। कुल स्टाफ में से मुख्य कलाकारों के अलावा कलाकार स्थानीय ही होते हैं।

एन में जय श्रीराम के गूंजे नारे, जाने लगाने वाली इंदौर की रोहिणी घावरी के बारे में

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर की रोहिणी घावरी ने जिनेवा में संपन्न हुई संयुक्त राष्ट्र की बैठक में अयोध्या में बने नव्य-भव्य श्रीराम मंदिर की जानकारी देते हुए जय श्रीराम के नारे भी लगाए। रोहिणी ने वहां अयोध्या में बने नव्य-भव्य श्रीराम मंदिर की जानकारी देते हुए मंच से कहा कि मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहती हूं कि कैसे राम मंदिर, आस्था, विरासत और सद्भाव को जोड़ता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह से भारतीय न्यायपालिका ने वर्षों से चले आ रहे इस विवाद को सद्भाव से सुलझाया। आइये जानते हैं रोहिणी घावरी के बारे में। रोहिणी इससे पहले भी संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं हैं।रोहिणी खुद दलित समाज का प्रतिनिधित्व करती है और अक्सर दलितों के पक्ष में आवाज उठाती रहती है। रोहिणी की मां नूतन घावरी कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में सफाईकर्मी है। उनके पिता भी सफाईकर्मी थे, पर वे नौकरी छोड़कर राजनीति और समाजसेवा में लग गए है। रोहिणी की दो बहन और एक भाई हैं। एक बहन डेंटल सर्जन है, उसका चयन राज्य सरकार में मेडिकल अधिकारी के लिए हो चुका है। एक बहन एलएलबी और भाई इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा है। मां नूतन का कहना है कि रोहिणी का मन बचपन से ही पढ़ाई में खूब लगता था, जब उसने पढ़ने की इच्छा जाहिर की तो हमने उसे सोना गिरवी रख पढ़ाया। राज्य सरकार ने दी एक करोड़ की स्कालरशिप रोहिणी ने मार्केटिंग में एमबीए की पढ़ाई की थी। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए प्रदेश सरकार के अनुसूचित जनजाति विभाग ने उसे एक करोड़ रुपये की स्कालरशिप दी है। जिससे वो जिनेवा में रहकर पीएचडी की पढ़ाई कर रही है। वो कहती है कि मेरे माता-पिता ने बड़े कष्टों के बाद हमें इस मुकाम पर पहुंचाया है। हम चारों भाई-बहन आज दलित समाज के लिए मिसाल बन चुके हैं। इंटरनेट मीडिया पर रहती है मुखर रोहिणी इंटरनेट मीडिया पर मुखरता से अपनी बात रखती हैं। वे आए दिन समाज सुधार, दलितों और पिछड़ों के पक्ष में अपने विचार रखती है। साथ ही वह लड़कियों की शिक्षा को लेकर भी अपनी बात रखती है। वो हर दिन एक-दो पोस्ट जरूर करती है।

इंदौर जल अभाव क्षेत्र घोषित, बिगड़ते हालात देख प्रशासन ने जिले में नलकूप खनन पर लगाई रोक

सिटी चीफ इंदौर।

पिछले वर्षों में इंदौर शहर में भूजल के स्तर के भले ही सुधार हुआ है, लेकिन देपालपुर व सांवेर जैसे इलाकों में कृषि कार्य के लिए अत्यधिक भूजल दोहन हो रहा है। दिसंबर 2023 में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट में इंदौर जिले में 119.3 प्रतिशत भूजल दोहन का आकलन किया गया है। यानि प्राकृतिक रूप से जितना जल पुर्नभरण हो रहा है, उसके मुकाबले हम 19.3 प्रतिशत अधिक भूजल उपयोग कर रहे हैं। इसी कारण जिला प्रशासन ने अब इंदौर जिले को जल अभाव क्षेत्र घोषित कर नए नलकूप खनन पर रोक लगा दी है। कलेक्टर आशीष सिंह ने इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए हैं। कलेक्टर ने मध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 तथा संशोधन अधिनियम 2002 (अधिनियम) में विहित प्रविधानों के अनुरूप जिले के शहरी एवं ग्रामीण संपूर्ण क्षेत्र को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। जिले में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर 18 मार्च से 30 जून 2024 तक प्रतिबंध लगाया गया है। अवैध रूप से नलकूप खनन करने वालों पर संबंधित राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारी संबंधित पुलिस थाना क्षेत्र में एफआइआर दर्ज करवा सकेंगे। साथ ही मशीनों को जब्त करेंगे। अपर कलेक्टर अपने क्षेत्र के अंतर्गत अपरिहार्य प्रकरणों के लिए व अन्य प्रयोजनों हेतु उचित जांच के पश्चात अनुमति दे सकेंगे। इस तरह के प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर दो हजार रुपये के जुर्माने तथा दो वर्ष तक के कारावास या दोनों से दंडित करने का प्रविधान है। शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत किए जाने वाले नलकूप खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कार्य योजनांतर्गत नलकूप खनन का कार्य लोकसभा निर्वाचन 2024 की लागू आचार संहिता का पालन करने की शर्त पर कार्य कराया जा सकेगा।

मध्य प्रदेश में सालभर में खुले 38 नए सरकारी कालेज प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे

सिटी चीफ इंदौर।

प्रदेशभर में सालभर के भीतर 38 नए सरकारी कालेज खुले हैं। ये प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे चल रहे हैं। यहां नियमित शिक्षकों भी नहीं है। इनकी कमियां अतिथि विद्वानों ने पूरी कर रखी है। इंदौर जिले में भी यही हाल है। खजराना, नंदानगर, बेटमा और केम्पल में नए कालेज में सुविधाओं का अभाव है। इन कालेजों में विद्यार्थियों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं है। खजराना कालेज तो स्कूल भवन में लगाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक मध्य प्रदेश में 560 से अधिक सरकारी कालेज है। जहां 500 कालेजों में प्राचार्य के पद खाली है। इनके स्थानों पर कमान प्रभारियों ने संभाल रखी है। कालेजों में दो हजार शिक्षकों के पद रिक्त हैं। कालेजों की स्थिति को बेहतर करने की तरफ जनप्रतिनिधियों का बिलकुल ध्यान नहीं है। बस इनकी दिलचस्पी सिर्फ संस्थान शुरू करने तक रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर केंद्र सरकार का अधिक जोर है। इसके तहत कालेजों में अब बहुसंकाय पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे है। प्रदेशभर में 32 ऐसे कालेज हैं, जहां अभी तक विज्ञान और कला संकाय वाले पाठ्यक्रम नहीं थे। अब वहां अगले सत्र से बीएससी-बीए भी पढ़ाया जाएगा। इसमें इंदौर जिले का शासकीय कला व वाणिज्य महाविद्यालय भी शामिल है।

रोजगार और शिक्षण पर ध्यान नहीं

नए कालेज शुरू करने में सरकार की जितनी रुचि दिखाई दे रही है। उतनी यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने में नजर नहीं आती है। कालेजों में रोजगार मेले के नाम पर विद्यार्थियों को पांच से सात हजार रुपये की नौकरियों के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही शिक्षण का स्तर भी गिरता जा रहा है। नियमित शिक्षक कक्षाएं लेने से कतराते हैं। सरकारी कालेजों के शिक्षक किसी विश्वविद्यालय व शैक्षणिक संस्थानों में प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं, जबकि दो साल पहले सभी की प्रतिनियुक्तियां निरस्त कर दी थीं।

मध्य प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर होगा कड़ा संघर्ष

सिटी चीफ भोपाल

वर्ष 2019 के आम चुनाव में 29 में से 28 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली भाजपा के लिए मध्य प्रदेश की 10 लोकसभा सीटें चुनौतीपूर्ण रह सकती हैं। इनमें छिंदवाड़ा, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, टीकमगढ़, मंडला, बालाघाट, रतलाम, धार और खरगोन लोकसभा सीट शामिल है। इन संसदीय क्षेत्रों में आने वाली विधानसभा सीटों में से अधिकांश पर पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में आने वाली सभी सातों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस जीती थी। विधानसभा चुनाव कुछ ही महीने पहले हुए हैं और यदि मतदाताओं का वही मूड रहता है तो इन लोकसभा सीटों पर कड़ा संघर्ष होने की पूरी संभावना है। इस बीच, भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने इन सीटों पर मैदानी स्तर पर चुनावी जमावट शुरू कर दी है। भाजपा ने सभी 29 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस ने केवल 10 प्रत्याशी घोषित किए हैं। कड़े संघर्ष वाली केवल चार सीटों पर ही फिलहाल कांग्रेस प्रत्याशी का नाम तय हुआ है। मुरैना, मंडला, धार और खरगोन की पांच- पांच, भिंड, ग्वालियर, बालाघाट, रतलाम लोकसभा क्षेत्र की चार-चार, टीकमगढ़ की तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा हारी है। ऐसे में इन सीटों पर भाजपा ने विधानसभा चुनाव में मिले परिणामों के अनुरूप तैयारी की है। इन लोकसभा सीटों पर पार्टी ने मजबूत प्रत्याशी भी उतारे हैं। पांच लोकसभा क्षेत्र भाजपा के लिए सुरक्षित पांच लोकसभा क्षेत्र भाजपा के लिए सुरक्षित माने जाते हैं। विधानसभा चुनाव में भी यहां के मतदाताओं ने सभी सीटों पर भाजपा को चुना है। खजुराहो, होशंगाबाद, देवास, इंदौर और खंडवा लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटें भाजपा जीती है। इनके अलावा सागर, दमोह, रीवा, सीधी, जबलपुर, विदिशा और मंदसौर लोकसभा क्षेत्र में केवल एक-एक विधानसभा सीट पर भाजपा हारी है।

कार सवार मनचलों ने की सातवीं की छात्रा से छेड़छाड़

पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

भोपाल। गांधीनगर थाना पुलिस ने सातवीं की छात्रा की शिकायत पर कार सवार दो मनचलों के खिलाफ छेड़छाड़, पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। गांधीनगर थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। किशोरी ने रविवार शाम अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उसमें बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे वह घर के पास किराना की दुकान पर सामान खरीदने जा रही थी। इस दौरान अनिकेत और उसका साथी नरेंद्र वहां कार लेकर खड़े थे। अनिकेत ने उसे आवाज दी, तो वह अनुसनी कर दुकान चली गई। वहां से सामान लेकर वापस लौट रही थी, तभी अनिकेत ने जबरन उसका हाथ पकड़ लिया और बोला कि मेरा दोस्त नरेंद्र उससे बात करना चाहता है। वह किसी तरह अपना हाथ छुड़ाकर घर पहुंची और अपनी मां को घटना के बारे में बताया।

इंदौर-हावड़ा के बीच चलेगी तीन तीन ट्रिप होली स्पेशल ट्रेन

सिटी चीफ भोपाल

रेल प्रशासन द्वारा त्योहारों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए हमेशा प्रयास किए जाते हैं। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे ने होली त्योहार के पर्व पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए इंदौर-हावड़ा-इंदौर के मध्य तीन-तीन ट्रिप होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह रेल भोपाल मंडल से होकर गुजरेगी। होली स्पेशल ट्रेन 09335 इंदौर-हावड़ा स्पेशल ट्रेन दिनांक 15, 22 एवं 29 मार्च को इंदौर से रात 11:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात 3:30 बजे संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना एवं रास्ते के अन्य स्टेशनों से होते हुए दूसरे दिन रविवार 7 बजे हावड़ा स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन 09336 हावड़ा-इंदौर होली स्पेशल ट्रेन 17, 24 एवं 31 मार्च को हावड़ा स्टेशन से रविवार सुबह 11:05 बजे प्रस्थान कर रास्ते के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सोमवार को दोपहर 1:00 बजे संत हिरदाराम नगर एवं शाम 6:20 बजे इंदौर स्टेशन पहुंचेगी।

भोज विवि में प्रवेश प्रक्रिया देर तक चलने के कारण परीक्षाओं में होगी देरी

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी स्थित मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्विद्यालय में यूजी व पीजी में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की तारीख में बढ़ोत्तरी की गई है। 31 मार्च तक विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। अब तक यूजी प्रथम वर्ष में 25 हजार 647 और पीजी प्रथम वर्ष में दो हजार प्रवेश हुए हैं।इनकी परीक्षाएं नवंबर व दिसंबर में होंगी। भोज विवि की इस बार यूजी व पीजी की सभी परीक्षाएं देर से शुरू होंगी, क्योंकि 31 मार्च तक यूजी व पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश होंगे। इसमें 33 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।इसके बाद जुलाई में भी एक बार फिर से प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस बार जिन पाठ्यक्रमों के लिए अनुमोदन प्राप्त हुआ है। उनमें सामान्य कला, वाणिज्य व विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ प्रबंधन एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं।प्रवेश के लिए इच्छुक विधार्थी एमपी आनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।विवि के कुलपति डा. संजय तिवारी का कहना है कि इस साल से दो बार प्रवेश प्रक्रिया चलाई जा रही है।नए पाठ्यक्रम आने से प्रवेश अधिक हो रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में हुए प्रवेश जिन पाठ्यक्रमों में बीए, बीएससी, बीकाम, बीबीए, बीएड, बीएड सामान्य शिक्षा, विशेष शिक्षा, बीसीए, लाइब्रेरी और इनफार्मेशन साइंस में बैचलर डिग्री, जर्नलिज्म में बैचलर डिग्री के साथ-साथ नवीन पाठ्यक्रम बीएससी (साइबर सिक्योरिटी) एवं बीएससी (डेटा साइंस) संबंधी पाठ्यक्रम में प्रवेश हो रहे हैं।वहीं पीजी पाठ्यक्रमों में जंतु विज्ञान, अर्थशास्त्र, हिंदी, भौतिक, रसायन शास्त्र, गणित, वनस्पति विज्ञान, सूचना तकनीक, समाजशास्त्र, समाज कार्य, राजनीति शास्त्र, भूगोल, अंग्रेजी और पत्रकारिता के अतिरिक्त साइबर सिक्योरिटी में प्रवेश ले सकते हैं।

शकुंतला प्रधान ने बताया, किसी त्योहार से कम नहीं था पहला मतदान

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल निवासी शकुंतला प्रधान ने बताया मेरा जन्म वर्ष 1935 में देश की स्वतंत्रता से पहले हुआ। स्वतंत्रता के समय मैं 12 साल की थी। तब उतनी समझ तो नहीं थी लेकिन घर में अकसर इसकी चर्चा होती थी तो थोड़ा बहुत समझने लगी थी। वर्ष 1957 में मेरे लिए पहला चुनाव था। तब पहली बार 22 वर्ष की उम्र में मतदान किया था। उस दिन पूरे भोपाल में त्योहार जैसा माहौल था। सब तरफ चुनाव की चर्चा थी। घर में पहले से ही राजनीति का माहौल था तो मतदान के प्रति बहुत ज्यादा उत्साह था। उस समय हवामहल के पास रहती थी। राजनेताओं का घर पर आना-जाना था। मेरी शादी 13 साल की उम्र में हो गई थी और शादी के बाद कालेज में पढ़ाई कर रही थी। पति हाई कोर्ट में रजिस्ट्रार थे तो मायके से लेकर ससुराल तक में सिर्फ देश के प्रति न्याय व स्वतंत्रता की बातें हुआ करती थीं। जिस दिन मतदान था, उस दिन महिलाओं ने तय किया था कि पहले वोट करेंगे तब घर में खाना बनाएंगे। उस समय पर्दा प्रथा का भी जोर था। राजनीतिक पार्टियों के लोग घर पर गाड़ियां भेजकर महिलाओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाते थे, लेकिन कोई यह नहीं कहता था कि मेरी ही पार्टी को वोट देना। सभी स्वेच्छा से वोट देते थे। हालांकि तब पढ़ी-लिखी महिलाएं ही अपने मन से वोट देती थी, बाकी महिलाएं घरवालों के कहने पर वोट देती थीं। मुझे याद है कि तब हम लोग ठप्पा लगाकर वोट देते थे लेकिन पारदर्शिता गजब की थी। मैं शिक्षक बनी और फिर प्रधानाध्यापिका पद से सेवानिवृत्त हुई। उस समय की बात करें तो तब राजनीति आसान नहीं थी। तब प्रचार-प्रसार के साधन नहीं थे। नेता घर-घर आकर लोगों से मिलकर अपने किए गए कार्यों व योजनाओं के बारे में बताते थे। अब नेता वोट बैंक के लिए योजनाएं चलाते हैं और जनता को गिनाते भी हैं।

वीआइपी रोड पर ई-रिक्शा से टकराई बाइक, छात्र की मौत, दोस्त गंभीर

सिटी चीफ भोपाल

वीआइपी रोड पर स्थित राजा भोज की प्रतिमा पास रविवार सुबह सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार आठवीं के छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक 16 वर्षीय मोहम्मद रिजवान पुत्र मोहम्मद इरफान जिंसी चौराहा के पास कादर पठान की होटल के पीछे रहता था। हाल ही में उसने आठवीं की परीक्षा दी थी। रमजान माह के चलते रविवार भोर में वह सेहरी के लिए में उठा था। सेहरी के बाद नमाज पढने् के लिए वह दोस्त अबुजर की बाइक से वीआइपी रोड आए थे। यहां एक मस्जिद में नमाज पढ़ी। उसके बाद घर जाने के लिए दोनों रवाना हुए थे। कर्बला घाट और राजाभोज की प्रतिमा के बीच उनकी तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े एक ई-रिक्शा से टकरा गई। हादसे में बाइक में पीछे बैठा रिजवान उछलकर दूर जा गिरा था। गंभीर रूप से घायल दोनों दोस्तों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चेक करने के बाद डाक्टर ने रिजवान को मृत घोषित कर दिया।

सिंधी समाज के राष्ट्रीय सम्मेलन में सरकार से की अधिकारों की मांग

सिंधी परिवारों में युवक, युवतियों के देरी से होते रिश्ते और रिश्ते होने के बाद उनमें आ रही टूटन पर अखिल भारतीय सिंधी समाज ने गहरी चिंता व्यक्त की है अखिल भारतीय सिंधी समाज के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 200 प्रतिनिधि आये। जामनगर, पाली, अहमदाबाद, इटारसी , भोपाल बिलासपुर, ग्वालियर , नई दिल्ली कोल्हापुर जूनागढ़ एवं मुंबई, उल्हासनगर, रायपुर सहित लगभग 25 शहरों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सिंधी समाज के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिलोक दीपानी की अध्यक्षता में आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में खास तौर पर सिंधी समाज के भीतर युवक और युवतियों के देर से होते रिश्ते और रिश्ते होने के बाद उनमें आ रही टूटन पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। संस्थापक अध्यक्ष त्रिलोक दीपानी ने सुझाव दिया कि इसके लिए प्रत्येक शहर में संचालित सिंधी पंचायत में फैसला बोर्ड का गठन किया जाए जो इस तरह के टूटन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

बेटी के घर मां न करे हस्तक्षेप

मुंबई निवासी समाज सेविका रेखा बालानी ने टूटते रिश्तों के लिए अधिकांशत: मां को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि अगर शादी के बाद मां अपनी बेटी के परिवार में हस्तक्षेप न करें तो टूटन को कुछ कम किया जा सकता है, जबकि कोल्हापुर के रमेश तनवानी ने समाज के भीतर बढ़ते धर्मांतरण पर चिंता व्यक्त करते हुए रिश्तो को टूटने से बचने हेतु बहू को घर में लक्ष्मी का दर्जा देने पर जोर दिया । दीपानी ने केंद्र सरकार से सिंधी समाज को अल्पसंख्यक घोषित कर उसे मिलने वाली सुविधाएं प्रदान करने की मांग की । इसी तरह उन्होंने राजनीति में आरक्षण को भी वक्त की जरूरत बताई। महासचिव सुरेश जसवानी ने लुप्त होती सिंधी भाषा को लुप्त होने से बचने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों से मदद की गुहार लगाई और मांग की के केंद्र एवं प्रदेश सरकारों में जितने भी सिंधी शिक्षकों के पद रिक्त हैं उन पदों को भरने के लिए यह ऐलान किया जाए कि जो भी विद्यार्थी सिंधी भाषा में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करेगा उसे सरकारी सिंधी टीचर की नियुक्ति प्रदान की जाएगी। सम्मेलन में यह भी संकल्प दिलाया गया कि हर सिंधी परिवार अपने घर में मातृभाषा में बच्चों से बात करेगा सम्मेलन में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग दो दर्जन प्रतिनिधियों में भाग लिया जिसमें राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश चोटरानी, मुकेश ग्वालानी, भावना ग्वालानी, सुनील आसनानी ,गीता आसनानी ,महेश डेटाणी अशोक लेखवानी , अशोक मंझानी , रमेश टेकवानी योगेश नारायण दास परसराम फुलवानी, कमल देवनाथ, तुलसी तोलानी, दिलीप मूलचंदानी मुख्य रूप से शामिल है।

नरेश गिदवानी और उसकी टीम ने सिंधी गीतों की मचाई धूम

3 दिवसीय सम्मेलन में दो दिन रात 8 से लेकर 10 बजे तक सिंधी गीत संगीत का शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भोपाल के जाने-माने सिंधी गायक नरेश गिदवानी और उसकी टीम ने सिंधी गीतों से समा बांधा।

भेल कारखाने में तैनात सीआइएसएफ के एएसआइ की इलाज के दौरान मौत

भोपाल। भेल कारखाने में तैनात सीआइएसएफ के एएसआइ की इलाज के दौरान मौत हो गई, वह आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड का नोजल खोलते समय कैप उछलकर उनके मुंह पर जाकर लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल एएसआई को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार-रविवार की रात उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक गोवर्धन प्रसाद शर्मा (57) मूलत: जांजगीर, छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। फिलहाल वह भेल परिसर में रहते थे और सीआइएसएफ की फायर विंग में एएसआई के पद पर पदस्थ थे। परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। बीती 26 फरवरी को भेल कारखाने में ड्रिल करते समय आग लग गई थी। आग लगने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग बुझाने के लिए गोवर्धन प्रसाद ने फायर ब्रिगेड के पाइप का प्रेशर खोलने लगे, तभी नोजल का कैप उछलकर उनके मुंह पर जा लगा। इस घटना में उन्हें गंभीर चोट आई थी। स्टाफ के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल पहुंचाया। बाद में परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। पहले उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा था, लेकिन शनिवार अचानक तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। कुएं से बुजुर्ग महिला का शव बरामद भोपाल। बैरसिया थाना इलाके में कुएं से एक बुजुर्ग महिला का शव बरामद किया गया। वह घर से अचानक लापता हो गई थी। खोजबीन करने के दौरान स्वजन कुएं के पास पहुंचे, तो कुएं के अंदर महिला का शव पड़ा देखा। बैरसिया थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम मदनई नलखेड़ा निवासी 60 वर्षीय गुलाबबाई पत्नी बाबूलाल गुर्जर संयुक्त परिवार में रहती थीं। परिवार किसानी करता है। शनिवार सुबह करीब 10 बजे गुलाबबाई घर से अचानक लापता हो गई थीं। स्वजन उनकी गांव में तलाश कर रहे थे। दोपहर करीब तीन बजे घर के पास बने कुएं में गुलाबबाई का शव पड़ा दिखा।

एनजीटी का आदेश, अशोका गार्डन 80 फीट रोड पर 22 मार्च तक सभी नानवेज रेस्टारेंट बंद होंगे

सिटी चीफ भोपाल

एनजीटी ने बीते कुछ दिनों पहले अशोका गार्डन 80 फीट रोड पर संचालित नानवेज रेस्टारेंट की जांच के लिए नगर निगम को निर्देश दिए थे। जिसके बाद निगम की भवन अनुज्ञा शाखा ने यहां संचालित नानवेज होटल और रेस्टोरेंट को नोटिस जारी किया था। निगम द्वारा 24 जनवरी को जारी किए गए नोटिस में 15 दिन के दौरान बिल्डिंग परमिशन से संबंधित कागजात प्रस्तुत करना थे। अधिकांश ने कागजात जमा कर दिए हैं। लेकिन निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा के अधिकारी इससे संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए ज्यादातर होटल ही बंद हो गए। दरअसल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल बोर्ड ने हाल ही में वायु प्रदूषण करने वाले होटलों के बाहर चल रहीं तंदूर-भट्टी के उपयोग पर पूरी तरह रोक लगा दी। एनजीटी के आदेश पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम ने शहर में मुहिम चलाकर तंदूर-भट्टी के उपयोग को रोकने के लिए जुर्माने लगाए और भट्टियां जप्त की। इस कार्रवाई के बाद नवंबर में दोबारा मुहिम चलाते हुए जहां तंदूर-भट्टी मिले, उन दुकानों को सील कर होटल का लायसेंस निरस्त कर दिया। लगातार कार्रवाई के बाद अशोका गार्डन 80 फिट रोड स्थित संचालित सभी होटल धूआं मुक्त हो गए हैं। इधर नानवेज रेस्टोरेंट संचालकों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को इसकी सूचना देते हुए लिखित में भरोसा दिलाया कि अब कभी तंदूर-भट्टी का उपयोग नहीं करेंगे। निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा ने अशोका गार्डन के पहले 22 होटल संचालकों को नोटिस भेजे। इनमें से पांच होटल पहले ही बंद हो गए थे। अब दो होटल ओर बंद हो गए हैं। वहीं 80 फीट रोड पर 22 मार्च तक सभी नानवेज होटलों को बंद करना होगा।

संपादकीय

चीन का विकल्प बनने को तैयार है भारत, वैश्विक स्तर पर तेजी से मिल रहा है समर्थन

चीन के आर्थिक हालात अब उसके वश में नहीं लग रहे हैं, जिससे अब उसका वैश्विक रुतबा भी डावांडोल होता दिखने लगा है। गौरतलब है कि पिछले दो-तीन दशकों में चीन से ज्यादा तीव्र आर्थिक प्रगति किसी अन्य मुल्क ने नहीं की है। 1990 के दौर में वैश्विक जीडीपी में चीन का हिस्सा मात्र दो फीसदी हुआ करता था, जो 2021 तक लगभग 20 फीसदी के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन अब उसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया है। कुछ लोग इसका श्रेय कोरोना के बाद अमेरिका की तेजी से आर्थिक रिकवरी को देते हैं, तो बाकी विश्व की कुछ अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें भारत सबसे ऊपर है, के अलावा वियतनाम, इंडोनेशिया, मैक्सिको, पोलैंड की अर्थव्यवस्थाओं को भी देना उचित समझते हैं। हालांकि, अमेरिका को इसका श्रेय देना तर्कसंगत इसलिए लगता है, क्योंकि वर्ष 2022-23 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 80 खरब डॉलर का विस्तार हुआ है, जिसके चलते उसका वर्तमान स्तर तकरीबन 1050 खरब डॉलर के बराबर है और इस आर्थिक वृद्धि में अमेरिका का हिस्सा 45 फीसदी रहा है। यह अपने आप में एक बार फिर वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बादशाहत को दर्शाता है। हालांकि भारत का वर्तमान वैश्विक जीडीपी में हिस्सा तकरीबन चार फीसदी के आसपास है, पर भारत के विशाल घरेलू बाजार के चलते उसकी लगातार बढ़ रही आर्थिक विकास दर के कारण सभी सहमत हैं कि आने वाले समय में भारत ही वैश्विक स्तर पर चीन की जगह लेगा। इन सब के बीच, चीन को अभी से हारा हुआ नहीं समझा जा सकता। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि चीन के वर्तमान आर्थिक हालात के पीछे का मुख्य कारण अमेरिका से उसकी अनावश्यक व्यापारिक प्रतिस्पर्धा है। वर्ष 2021 तक चीन, अमेरिकी जीडीपी के 76 फीसदी हिस्से को कवर भी कर चुका था, परंतु अब उसमें काफी कमी आ गई है। वर्तमान में चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिका के जीडीपी का 65 फीसदी ही है। आने वाले समय में यह अंतर और भी बहुत तेजी से बढ़ेगा, क्योंकि अमेरिका के हालात उसके नियंत्रण में हैं, जबकि चीन में कई वजहों से अब स्थितियां बिल्कुल विपरीत हो चुकी हैं। इसका एक प्रमुख कारण है, चीनी सरकार व प्रशासन का सदैव वैश्विक स्तर पर बहुत अहंकारी रवैया। दूसरा, चीन के घरेलू बाजार में उपभोग क्षमता का लगातार कम होना, क्योंकि पिछली दो पीढ़ियां जनसंख्या नियंत्रण के चलते परिवार में एक बच्चे के साथ ही जीवन- यापन कर रही हैं। तीसरा मुख्य कारण चीनी अर्थव्यवस्था में वित्तीय ऋण का लगातार बढ़ता बोझ और चौथा मुख्य कारण है, बड़ी तेजी से चीनी बाजार का वैश्विक निवेशकों में अपना विश्वास खोना। चीन में अभी वित्तीय ऋण जीडीपी का 300 फीसदी है। आगामी वर्ष में प्रस्तावित चार से पांच फीसदी की विकास दर को हासिल करने के चक्कर में इस ऋण की मात्रा आने वाले कुछ वर्षों में 500 फीसदी हो जाएगी। सबसे बड़ी गड़बड़ी चीन में यह रही है कि वित्तीय ऋण का सबसे अधिक हिस्सा वहां की रियल एस्टेट कंपनियों को लगातार मिलता रहा। चीन में वर्तमान समय में तकरीबन 100 से अधिक बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां हैं। इनमें से प्रथम 50 कंपनियां तो वित्तीय ऋण के कारण आर्थिक संकट में हैं। प्रथम पांच कंपनियां तो बैंकों द्वारा दिवालिया घोषित हो चुकी हैं, जिन पर 266 अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज चढ़ा हुआ है। दरअसल, चीन में भी रियल एस्टेट की कृत्रिम आर्थिक प्रगति का बुलबुला कुछ वैसे ही फूटने के कगार पर है, जैसे अमेरिका में वर्ष 2008 में लेहमन ब्रदर्स के दिवालिया होने पर हुआ था। पिछले दिनों चीनी सरकार तथा विश्व विख्यात चीनी बिजनेस टाइकून व अलीबाबा के संस्थापक जैक मा के साथ जिस तरह से चीनी सरकार का विवाद चर्चाओं में रहा, उसके चलते बड़े वैश्विक निवेशक अब चीन से दूरी बनाने लगे हैं। भारत अपनी लगातार बढ़ रही प्रति व्यक्ति उपभोग क्षमता के कारण उनकी पहली पसंद बन रहा है। हालांकि अभी चीन इस पक्ष पर विश्व के अन्य सभी अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं से बहुत आगे है, क्योंकि वहां पर औसतन वैश्विक निवेश जीडीपी का 25 से 30 फीसदी के बीच रहता है। चीन की इन आर्थिक समस्याओं के चलते सबसे अधिक फायदा प्रत्यक्ष तौर पर अमेरिका ने उठाया है। मगर आने वाले समय में उसका सबसे बड़ा हकदार भारत होगा और इस बात को वैश्विक स्तर पर बड़ी तेजी से समर्थन भी मिलता दिख रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन और परमाणु युद्ध की पहेली यूक्रेन और जेलेंस्की के सामने अस्तित्व की चुनौती

इस हफ्ते की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन में उनकी कार्रवाई को चुनौती दी गई, तो परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा। गौरतलब है कि रूस के पास सबसे बड़ा शस्त्रागार है, जो दुनिया को कई बार बर्बाद कर सकता है। इससे अमेरिका, नाटो और यूरोपीय देश चौंक गए। हालांकि वे जानते हैं कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल जल्दबाजी में करने की संभावना नहीं है। ये हथियार अंतिम उपाय हैं। हालांकि पुतिन अपने ब्रीफकेस (संचार उपकरण, जिससे पुतिन अपने सभी शीर्ष सैन्य कमांडरों से बात कर सकते हैं) साथ लेकर चलते हैं, पर वह जानते हैं कि एक बार जब परमाणु हमला शुरू हो गया, तो फिर पीछे मुड़कर देखना मुश्किल हो जाएगा। परमाणु हथियारों का इस्तेमाल तभी किया जा सकता है, जब अमेरिकी नेतृत्व में नाटो का सैन्य हमला रूस के अस्तित्व के लिए खतरा हो। चूंकि पश्चिमी देशों ने रूस के विफल हमलों को देखा है, वे रूसी सैनिकों और संसाधनों को समाप्त करने के लिए गुप्त रूप से यूक्रेन को हथियार और सैनिकों की आपूर्ति करने की रणनीति जारी रखेंगे और तब तक युद्ध को नहीं बढ़ाएंगे, जब तक कि कीव का पतन न हो जाए।

पुतिन की यह धमकी तब आई है, जब कुछ ही दिनों में उन्हें अगले छह साल के लिए नया कार्यकाल मिलने वाला है। पुतिन ने यूक्रेन और पश्चिमी देशों को धमकाते हुए कहा कि नाटो समर्थित यूक्रेन के जवाबी हमलों से कब्जा किए गए यूक्रेनी क्षेत्रों सहित रूस की क्षेत्रीय अखंडता के लिए यदि जरूरी हुआ, तो रूस अपने परमाणु हथियारों का उपयोग करने में संकोच नहीं करेगा। इसके अलावा, उन्होंने रूस के सुरक्षा सिद्धांतों और कानूनों का हवाला दिया, जो उन्हें परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में कोई भी रूसी नेता सांविधानिक रूप से उनके नतीजों को पलटने में सक्षम नहीं होगा। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि रूस के पास परमाणु सुरक्षा के लिए एक सिद्धांत है, जो कि एक खुला दस्तावेज है। एक इंटरव्यू में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह मानते हैं कि पुतिन झांसा नहीं दे रहे हैं। वह पूरी दुनिया को डराना चाहते हैं। ये उनके परमाणु ब्लैकमेल का पहला कदम है। उनसे जब यह पूछा गया कि जब तक पुतिन सत्ता में हैं, क्या उन्हें यूरोप में स्थिरता दिख रही है, तो उनका स्पष्ट जवाब था-नहीं। मेरे पास इस बारे में कहने के लिए और कुछ नहीं है। मेरी राय है कि नहीं। हमने वर्षों से इसे देखा है। हमें स्थिरता दिखाई नहीं देती। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, रूस सबसे बड़े परमाणु शस्त्रागार का दावा करता है, जिसमें करीब 6,000 परमाणु हथियार हैं। उनमें से करीब 1,500 अभी तैनात हैं। आखिर पुतिन यह जोखिम क्यों ले रहे हैं? दरअसल, त्वरित सैन्य लाभ की उम्मीद में पुतिन ने खुद जनता का ध्यान शुरुआती कुछ महीनों में युद्ध की तरफ न जाने देने को प्रोत्साहित किया था। लेकिन अब उनके आक्रमण को रोक दिया गया है, जिससे रूस में असंतोष फैल गया है और इसलिए उन्होंने अपने देशवासियों के गिरते मनोबल को बढ़ाने के लिए अब परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की धमकी दी है। जब दो वर्ष पहले 2022 में रूसी सैनिकों ने कुछ बढ़त हासिल की थी, तो उन्होंने लामबंदी का आदेश दिया था, लेकिन वह जानते थे कि इससे समाज में गंभीर असंतोष पैदा हो सकता है। इसलिए उन्होंने आंशिक लामबंदी का आदेश दिया। टिप्पणीकार एनी अप्पलबाम ने अटलांटिक में लिखा, सेना के भीतर समस्या है।

और इसलिए रूसी सेना न केवल साजो-सामान संबंधी आपातकाल या रणनीतिक समस्या से जूझ रही है, बल्कि उसके मनोबल में भी गिरावट आ रही है। इसी वजह से पुतिन को और अधिक सैनिकों की आवश्यकता है और इसलिए, जैसा कि स्टालिन के समय में था, रूस ने अब स्वैच्छिक आत्मसमर्पण को अपराध घोषित कर दिया है, क्योंकि बड़े पैमाने पर रूसी सैनिकों ने अग्रिम पंक्ति छोड़ दी है। यदि आप डोनेट्स्क या खोरसान में अपनी चौकी छोड़ देते हैं या नागरिकों के कपड़े पहनकर भाग जाते हैं, जैसा कि पिछले कुछ हफ्तों में कुछ रूसी सैनिकों ने किया है, तो रूसी संसद द्वारा पारित कानून के अनुसार, आपको दस वर्षों के लिए जेल भेजा जा सकता है। एप्पलबाम आगे कहती हैं, पुतिन के लिए देश, विदेश और सेना में समर्थन खत्म हो रहा है। जो कुछ भी उन्होंने कहा, वह इस गिरावट को रोकने के अलावा कुछ नहीं था। विश्लेषकों का कहना है कि क्रेमलिन की परमाणु धमकी यूक्रेन को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने की एक चाल है। राजनीतिक विश्लेषक तातियाना स्टैनोवाया ने वर्ष 2022 में कहा था, यह रूस की ओर से यूक्रेन और पश्चिम के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है = या तो यूक्रेन पीछे हट जाएगा या परमाणु युद्ध होगा। यह स्पष्ट नहीं है कि इस लामबंदी का जमीनी स्तर पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 3,00,000 लोगों को प्रशिक्षित करने, उन्हें हथियारबंद करने और मोर्चे पर भेजने की चुनौती बहुत बड़ी थी, खासकर तब, जब रूस ने पहले ही अपने सबसे अनुभवी सैनिकों को तैनात कर दिया था। फिर भी, रूस ने यूक्रेन में सैन्य नुकसान की कुछ दुर्लभ स्वीकारोक्ति की। स्टैनोवाया ने कहा, सैन्य अभियान की शुरुआत के बाद से, लगभग कुछ भी योजना के अनुसार नहीं हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूसी परमाणु हमले का जवाब पारंपरिक सैन्य या कूटनीतिक तरीके से देना और यूक्रेन को अधिक शक्तिशाली हथियार प्रदान करना यादा फायदेमंद हो सकता है, ताकि वह रूस पर हमला कर सके। रूसी लामबंदी रूसी शहरों में विरोध प्रदर्शन को बढ़ावा दे रही है। यह यूरोप में इस बात को लेकर भी मतभेद पैदा कर रही है कि क्या बड़ी संख्या में युद्ध से भागे रूसी पुरुषों का स्वागत किया जाना चाहिए या उन्हें भगा देना चाहिए। यूक्रेनी और रूसी सैन्य योजनाकारों के लिए लड़ाई को और अधिक जटिल बनाने की घड़ी आगे बढ़ती जा रही है। हालांकि यह एक पेचीदा सवाल है, लेकिन नाटो और अमेरिका किसी अंतर्निहित परमाणु खतरे के लिए तैयार नहीं दिखना चाहते हैं। विकल्प कठिन हैं, और पश्चिम ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह रणनीतिक परमाणु हमले पर कैसी प्रतिक्रिया देगा।

अपना पैसाः ये पांच तरीके बनाएंगे बुढ़ापे को आरामदायक, लंबे समय तक करना होगा काम

पिछले सप्ताह मैं एक सॉफ्टवेयर कंपनी के कर्मचारियों के लिए आयोजित वित्तीय कल्याण कार्यशाला में था। 20 वर्ष के युवा दर्शक बेसब्री से किसी चमत्कार का इंतजार कर रहे थे, ताकि उनके पास जल्द ही ढेर सारा पैसा आ जाए। इसका अधिकतर संबंध शेयर बाजार में हालिया उछाल से था। इसलिए, मैंने उनसे किसी प्रोग्राम या एप्लिकेशन के लिए सॉफ्टवेयर कोड लिखने की प्रक्रिया के बारे में पूछा। उन्होंने पहले यह समझने की प्रक्रिया शुरू की कि ग्राहक को क्या चाहिए। इसके बाद प्रक्रिया पर टीमों के साथ चर्चा और रूपरेखा तैयार करने में लग गए।?प्रक्रिया का यह भाग पूरा होने पर उन्होंने इसे टीमों को वितरित करना शुरू किया। फिर इसे पूरा करने के लिए समय सीमा तय करने में लग गए। छोटे प्रोजेक्ट डिलीवरी के लिए 6-8 सप्ताह की प्रक्रिया थी। मैंने उन्हें बताया कि सेवानिवृत्ति योजना इस प्रक्रिया से अलग नहीं है। इसके लिए आपको लंबे समय तक काम करने की जरूरत है। बेहतर सेवानिवृत्ति के लिए?ये हैं पांच तरीके... लक्ष्य हासिल करने के लिए?बनाएं योजना अगर यात्रा पर जा रहे हैं तो खुद से पूछें कि क्या आप इसके लिए तैयार हैं और लक्ष्य हासिल करने के लिए काम करेंगे। जिस तरह किसी भी परियोजना के लिए एक योजना की जरूरत होती है उसी तरह सेवानिवृत्ति के लिए भी इसकी जरूरत होती है, जो कई दशक आगे हो सकती है। पहला कदम सचेत रूप से सेवानिवृत्ति के लिए बचत और निवेश को अलग-अलग रखना शुरू करना है। इसमें पीएफ या एनपीएस जैसी किसी भी अनिवार्य बचत के साथ पीपीएफ या ऐसे किसी अन्य साधन में भी योगदान करें। शुरुआत के बाद, हमेशा याद रखें कि जब तक आप रिटायर नहीं हो जाते, इसमें डूबे न रहें। कुछ वर्षों में इन योगदानों की समीक्षा करें। कठोर रणनीति बनाएं जब किसी गंतव्य तक पहुंचने की बात आती है तो लोगों के लिए आसान रास्ता अपनाना आम बात है। हालांकि, सेवानिवृत्ति इतना आसान नहीं है। आपके पास ऐसे चरण होंगे, जब सेवानिवृत्ति बचत का पैसा छुट्टियों पर खर्च करने या होम लोन आदि का भुगतान करना आसान लगेगा। इस यात्रा में लापरवाही न बरतें, क्योंकि आपको इस बात में सावधानी बरतनी होगी कि आप सेवानिवृत्ति की ज्यादा बचत करने के लिए निवेश साधनों का चयन कैसे करते हैं। यह देखते हुए कि व्यक्ति जिस उम्र में कमाई करना शुरू करता है, उससे रिटायर होने में 30 साल लगते हैं। एक एसेट क्लास के रूप में इक्विटी में ज्यादा निवेश करना और उसे बनाए रखना अच्छा होता है। लंबी अवधि के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें जब आप लंबी यात्रा पर जा रहे हों तो प्राप्त होने वाले छोटे लक्ष्य निर्धारित करें। यात्रा पर चाय ब्रेक की तरह आपको भी 35 या 40 और 45 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते लक्ष्य तय कर लेना चाहिए। इस तरह आपको पता चलेगा कि आप कहां जा रहे हैं और आर्थिक रूप से यात्रा कैसे आगे बढ़ रही है। यह भी समझेंगे कि सेवानिवृत्ति के लिए बचत करते समय आपको कितना जोखिम उठाना होगा। लक्ष्य तय करने से यह भी जान पाएंगे कि आप अपेक्षा अनुरूप उस तक पहुंच रहे हैं या नहीं। आसानी से होने वाले लक्ष्य तय न करें। एक ब्रेक लें ऐसे समय होते हैं जब अन्य वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकता देने की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए, आपको बच्चे की शिक्षा के लिए पैसे की जरूरत होगी और इससे समझौता नहीं कर सकते।?इसलिए, सेवानिवृत्ति के लिए स्वैच्छिक निवेश के बजाय कुछ वर्षों तक इस लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।?ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद आप अधिक रकम के साथ इस रणनीति का उपयोग कर सकते हैं। बरकरार रखें पैसे का मूल्य जैसे-जैसे सेवानिवृत्ति लक्ष्य के अंतिम चरण के करीब पहुंचते हैं, यह समझना होगा कि आपने इतने वर्षों में क्या किया है। उन हालातों से सावधान रहें जिनके लिए आपने यात्रा शुरू करते समय योजना नहीं बनाई थी। उदाहरण के लिए, अक्सर जब किसी को बहुत सारा पैसा मिल जाता है, वे इसे तुरंत खर्च करने की सोचते हैं और भूल जाते हैं कि यह पैसा उनके लिए सेवानिवृत्ति के 25-30 साल अच्छे समय बिताने के लिए है। इसका मतलब कि सेवानिवृत्त होने के बाद पैसे का मूल्य और बढ़ाने की जरूरत है।

बाबा महाकाल का ऐसा श्रृंगार कि देखते रह गए भक्त, हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष की नवमीं पर सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया गया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज नवमी की भस्मआरती में बाबा महाकाल का त्रिपुंड और चन्द्र धारण करवाकर श्रृंगार किया गया। मावा, इलायची, अंगूर, चेरी से बाबा महाकाल को सजाया गया और मखाने व कमल के फूलों की माला भी पहनाई गई। नमकीन का भोग लगाया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

'रंग दे बसंती' का नाम बदलने का दबाव बना रहे प्रसून?

गीतकार और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) अध्यक्ष प्रसून जोशी पर आरोप लगा है कि उनके कहने पर ही उस भोजपुरी फिल्म का नाम बदलने का निर्देश दिया गया है, जिसका नाम उनके लिखे हिट गानों वाली फिल्म 'रंग दे बसंती' पर रखा गया है। इस बारे में फिल्म निर्माताओं की संस्था इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इम्पा) ने उन्हें पत्र भी लिखा है। फिल्म बनाने वाले बीते दो हफ्तों से सेंसर बोर्ड के मुंबई दफ्तर के चक्कर पर चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सबका यही कहना है कि 'फाइल चेयरमैन सर के पास है।'भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' की रिलीज 22 मार्च को होली पर प्रस्तावित है। फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट के लिए 5 फरवरी को आवेदन किया गया और सेंसर बोर्ड की परीक्षण समिति ने 19 फरवरी को ये फिल्म देखने के बाद अपनी रिपोर्ट भी दे दी। लेकिन, फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। निर्माता रोशन सिंह का कहना है कि सेंसर बोर्ड उन पर अपनी फिल्म का नाम बदलने के लिए दबाव डाल रहा है। इस बारे में सेंसर बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मिता वत्स शर्मा ने संपर्क करने के बाद भी जवाब नहीं दिया।फिल्म के निर्माता रोशन सिंह ने बताया, %सेंसर ऑफिस से फोन आया और फिल्म के शीर्षक को बदलने को कहा गया। सलाह दी गई कि चूंकि हिंदी में इस शीर्षक के नाम से पहले फिल्म बन चुकी है, लिहाजा इस फिल्म का शीर्षक बदल दिया जाए।' यहां गौरतलब ये है कि अब तक हिंदी फिल्मों के शीर्षक पर 100 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों का निर्माण हो चुका है। हाल ही में भोजपुरी फिल्म %कभी खुशी कभी गम% को भी सेंसर सर्टिफिकेट दिया गया।भोजपुरी अभिनेता खेसारी लाल यादव की फिल्म 'रंग दे बसंती' के निर्माता रोशन सिंह भी यही कहते हैं कि इससे पहले हिंदी फिल्मों के शीर्षक पर बनी भोजपुरी फिल्म पर सेंसर बोर्ड ने कभी ऐतराज नहीं जताया तो उनकी फिल्म के शीर्षक को लेकर ऐतराज क्यों जताया जा रहा है। वह यह भी बताते हैं कि उन्हें फिल्म को यूए प्रमाणपत्र प्राप्त देने के लिए आवश्यक कुछ कट्स के बारे में सूचित किया गया था। ये काम पूरा करने के बाद जब उन्होंने सेंसर सर्टिफिकेट के लिए सेंसर बोर्ड के मुंबई कार्यालय में संपर्क किया तो बताया गया कि 'फाइल चेयरमैन सर के पास है।'मुंबई से संचालित हिंदी, मराठी, भोजपुरी, गुजराती तमाम फिल्मों के निर्माताओं की अलग अलग संस्थाएं हैं। इन संस्थाओं के पास ही फिल्मों के नामों का पंजीकरण होता है और ये संस्थाएं आपस में बैठकें करके ये तय करती हैं कि किसी एक भाषा में पहले से उसी नाम की फिल्म तो नहीं बनी है। फिल्म निर्माताओं की संस्था इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने भी इस बारे में सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी को पत्र लिखा है। पत्र में साफ लिखा है कि अगर ये फिल्म तय तिथि को रिलीज नहीं हुई तो इसके चलते फिल्म निर्माता को मोटा नुकसान उठाना पड़ेगा।

नेटफ्लिक्स की मर्डर मिस्ट्री में छाए पंकज त्रिपाठी
सारा-करिश्मा के बीच चमके विजय वर्मा

मर्डर मिस्ट्री पर आधारित फिल्मों को देखने में आनंद तब आता है, जब अंतिम तक इस रहस्य से पर्दा ना उठे कि आखिर में मर्डर के पीछे किसका हाथ है। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी फिल्म मर्डर मुबारक की यही खासियत है। पिछले महीने निर्माता दिनेश विजन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म न तो दर्शकों के अपेक्षाओं पर खरी उतरी और न ही फिल्म समीक्षकों के, लेकिन इस फिल्म में जो कमी कसर रह गई थी, उसको दिनेश विजन ने फिल्म मर्डर मुबारक में पूरा कर दिया और इसका पूरा श्रेय फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया को जाता है।

फिल्म मर्डर मुबारक की कहानी दिल्ली के द रॉयल क्लब में हुए एक मर्डर के इर्द -गिर्द घूमती है। इस क्लब में शहर के अमीर लोगों के अलावा फिल्मी सितारों से राजा-महाराजा तक का आना जाना है या यूं कह लें कि यह एक ऐसा क्लब है, जहां पर आना लोग अपनी शान समझते हैं। इसी दौरान शहर के सभी नामी गिरामी लोग शक के घेरे में तब आ जाते हैं, जब उसी क्लब में एक्सरसाइज करने के दौरान एक लड़के लियो मैथ्यू की मौत हो जाती है। शहर के एसीपी भवानी सिंह इस मौत की तहकीकात करते हैं। क्लब के प्रेसिडेंट का मानना है कि यह महज एक हादसा है, लेकिन एसीपी भवानी सिंह इसे हादसा नहीं, बल्कि एक सोची समझी हत्या मानते है और इस हत्या की गुत्थी सुलझाते हैं। क्लब में आने वाले सभी लोग शक के घेरे में हैं। फिल्म में लियो मैथ्यू का ऐसा किरदार दिखाया गया है जो क्लब में आने वाले हर किसी शख्स का राज जनता है। एसीपी भवानी सिंह को लगता है कि यही उनकी हत्या की असली वजह हो सकती है। एसीपी भवानी सिंह का शक उस समय यकीन में बदल जाता है, जब वह देखता है कि लियो मैथ्यू की मौत के समय सीसीटीवी कैमरे को पूरी तरह से ढक दिया गया था। फिल्म मर्डर मुबारक कहानी अनुजा चौहान की किताब क्लब यू टू डेथ पर आधारित है और इसे फिल्म के लिए अनुजा चौहान, गजल धालीवाल, सुप्रतिम सेनगुप्ता ने मिलकर लिखा है। पटकथा ऐसी है कि दर्शकों को बोर नहीं होने देती और जब फिल्म में एक-एक रहस्य से पर्दा उठता है तो उसे देखकर दर्शक काफी चौंकते भी हैं। फिल्म अंग्रेजी मीडियम के बाद निर्देशक होमी अदजानिया की फिल्म मर्डर मुबारक सिनेमाघरों में रिलीज न होकर सीधे ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इससे पहले होमी अदजानिया की वेब सीरीज सास बहू और फ्लमिंगो पिछले साल डिनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई थी। होमी अदजानिया की खूबी यह है कि फिल्म या सीरीज किसी भी जॉनर की हो, वह दर्शकों की नब्ज को अछी तरह से समझते हैं। इस फिल्म की भी खासियत यही है कि अंत तक दर्शकों को पता नहीं चल पाता है कि मर्डर किसने किया है। फिल्म में इस रहस्य को होमी अदजानिया पूरी तरह से बरकरार रखने में सफल रहे हैं। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने एसीपी भवानी सिंह की भूमिका निभाई है। पंकज त्रिपाठी की खासियत यह है कि भूमिका कैसी भी हो, जिसमें वह पूरी तरह से जान डाल देते हैं। फिल्म में हर किसी को जी कहकर बुलाना उनका अंदाज बहुत ही अछा लगता है। फिल्म में सारा अली खान के किरदार में अभिनय के कई रंग देखने को मिले हैं। बांबी टोडी की भूमिका में अपना वह अलग असर छोड़ती हैं। करिश्मा कपूर ने काफी लंबे समय के बाद किसी फिल्म में वापसी की है। शहनाज नूरानी की भूमिका में कमाल की लगती हैं। कुकी कटोच की भूमिका में डिंपल कपाड़िया, रोशनी बत्रा की भूमिका में टिस्का चोपड़ा, रणविजय सिंह की भूमिका में संजय कपूर और लियो मैथ्यू की भूमिका में आशिम गुलाटी का जबरदस्त पर्फार्मेंस रहा है। विजय वर्मा ने आकाश डोगरा की भूमिका निभाई है, फिल्म में भले ही उनको कम जगह मिली है, लेकिन वह अपनी एक अलग ही छाप छोड़ जाते हैं।

कृति खरबंदा-पुलकित सम्राट का शानदार डांस, वीडियो वायरल

मुंबई । एक्ट्रेस कृति खरबंदा और एक्टर पुलकित सम्राट की शादी का समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया गया। दोनों की शाही शादी की कई तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। पुलकित-कृति मानेसर में शादी के बंधन में बंधे। फिलहाल इस जोड़ी को मनोरंजन जगत से जमकर तारीफें मिल रही हैं। शादी समारोह के बाद कृति का ससुराल में बड़े धूमधाम से गृहप्रवेश कराया गया। इस जोड़े के शानदार डांस के कई वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर

वायरल हो रहे हैं। पुलकित-कृति के गृह प्रवेश की एक खास झलक पैपराजी ने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर की है। इसमें दोनों डांस करते नजर आ रहे हैं।शादी के बाद एक्ट्रेस खूबसूरत साड़ी में मीडिया के सामने आईं। पति के साथ जबरदस्त डांस के बाद दोनों ने एक साथ घर में एंट्री ली। फिलहाल ये वीडियो हर जगह वायरल हो रहा है। पिछले कई दिनों से कृति-पुलकित की शादी की चर्चा चल रही थी। आखिरकार एक्ट्रेस ने शनिवार को शादी समारोह की तस्वीरें शेयर कर सभी को यह खुशखबरी दी। शादी में कृति ने बेबी पिंक लहंगा पहना था, जबकि पुलकित ने मिंट ग्रीन शेरवानी पहनी थी।

सिद्धू मूसेवाला की मां ने दिया बच्चे को जन्म, शेयर की बच्चे की झलक

मुंबई । सिद्धू मूसेवाला के घर एक बार फिर से खुशी का माहौल बन गया है। सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर को एक बार फिर मातृत्व का सौभाग्य मिला है और उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया है। इस बात की जानकारी खुद सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर दी है। इसके साथ ही उन्होंने अपने नवजात बच्चे की एक फोटो भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। शुभदीप को चाहने वाले लाखों-करोड़ों लोगों के आशीर्वाद से, भगवान ने शुभ के छोटे भाई को हमारी गोद में डाल दिया है। भगवान के आशीर्वाद से परिवार स्वस्थ है। मैं सभी शुभचिंतकों के इस अपार प्यार के लिए आभारी हूं। इस पोस्ट पर दुनियाभर से फैंस लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। तो कमेंट्स के जरिए शुभकामनाएं मिल रही हैं।सिद्धू मूसेवाला की मां ने 58 साल की उम्र में दोबारा मां बनने का

फैसला किया, जिससे हर कोई हैरान रह गया। चरण कौर आईवीएफ तकनीक की मदद से मां बनीं। 60 साल के बलकौर सिंह एक बार फिर पिता बन गए हैं। इस खबर को सुनने के बाद सिद्धू के फैंस भी खुश हैं। दुनिया भर से फैंस ने सिद्धू के माता-पिता को बधाई देना शुरू कर दिया है। कई प्रशंसकों का कहना है कि सिद्धू इस बच्चे रूप में मूसेवाला वापस आ गए हैं। लोकप्रिय गायक सिद्धू मूसेवाला की 2022 में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सिद्धू मूसेवाला अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। अपने इकलौते बेटे को खोने के बाद परिवार बड़े सदमे में था। हालांकि, परिवार की खातिर उनके माता-पिता ने आईवीएफ तकनीक के जरिए दोबारा गर्भधारण करने का फैसला किया। जैसे ही सिद्धू मूसेवाला के छोटे भाई के जन्म की खबर सामने आई, दुनिया भर के प्रशंसकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। प्रसिद्ध पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को पंजाब के मनसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए महिंद्रा बोलेरो और टोयोटा कोरोला नाम की दो मॉडलों का इस्तेमाल किया गया था। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई को जिम्मेदार बताया गया है।

सांपों के जहर सप्लाई की पुष्टि, एल्विश यादव पर कसा शिकंजा, नोएडा पुलिस पर तंज पड़ा महंगा

नई दिल्ली । *रेव पार्टी में सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में घिरे यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें तब बढ़ गईं जब यह पुष्टि हुई कि इस पार्टी में सांपों के जहर का इस्तेमाल हुआ था। इस मामले में नोएडा पुलिस ने रविवार को एल्विश यादव को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि 17 फरवरी को एल्विश यादव ने नोएडा पुलिस पर तंज कसा था। जयपुर से आई एफएसएल रिपोर्ट में पुष्टि हुई थी कि जो नमूने भेजे गए थे, उनमें कोबरा के करैट प्रजाति के सांपों का जहर था। इसके अध्ययन के लिए छह सदस्यीय टीम बनाई गई। सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर एल्विश ने कहा था कि पुलिस ने सड़क से सपेरों को पकड़ा और उन पर रेव पार्टी में शामिल होने का आरोप लगा दिया। खुली चुनौती देकर उसने रेव पार्टी में मौजूद होने की बात साबित करने को कहा था। इतना ही नहीं, उसने यह भी कहा था कि अगर नोएडा पुलिस ने आरोप साबित कर दिया तो वह कपड़े खोलकर नाचेगा। जयपुर से आई एफएसएल रिपोर्ट के अध्ययन के लिए छह सदस्यीय टीम बनाई गई। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत जितने भी केस देशभर में दर्ज हुए, उनका भी अध्ययन किया ताकि सारे तथ्य और सबूत जुटाए जा सकें।*

एनडीपीएस ऐक्ट में 20 वर्ष तक सजा का प्रावधान

कानून के जानकारों के अनुसार, सांपों का जहर सप्लाई करने और विष का कारोबार करने के आरोप में यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कई धाराएं बढ़ाई हैं। इनमें एनडीपीएस 8, 20, 27, 27ए, 29, 30, 32 शामिल है। इन धाराओं के तहत अगर एल्विश यादव दोषी पाए जाते हैं तो 20 साल तक की सजा हो सकती है। इसके साथ उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

यह है एनडीपीएस ऐक्ट

एनडीपीएस ऐक्ट का मतलब होता है नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस ऐक्ट 1985, जिसे आम तौर पर एनडीपीएस ऐक्ट के रूप में जाना जाता है। भारतीय संसद का एक अधिनियम है, जो किसी भी व्यक्ति को उत्पादन, विनिर्माण, खेती, कब्जा, ब्रिकी, खरीद या किसी भी नशीली दवाई का सेवन करता है, उस पर यह ऐक्ट लगाया जाता है। एल्विश के खिलाफ जिस थाना प्रभारी ने केस दर्ज किया, उसे कुछ समय बाद ही हटा दिया गया था।

पेट्रोल, डीजल सस्ता करने के बाद अब दालों के दाम पर सरकार का फोकस, नहीं बढ़ने देंगे दाम, किया ये उपाय

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव में महंगाई की दाल गलने न पाए इसके लिए सरकार ताबड़तोड़ कई उपाय कर चुकी है। एलपीजी सिलेंडर की कीमत कम हुई। पेट्रोल-डीजल के दाम घटे और अब दालों के दाम बढ़ने न पाए इसके लिए सरकार ने एक और उपाय किया है। केंद्र सरकार ने बफर स्टॉक के लिए किसानों से सीधे छह लाख टन खरीदने की योजना बनाई है। इसमें चार लाख टन कच्ची अरहर दाल और दो लाख टन मसूर दाल शामिल है। मामले से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अभी किस भाव पर बिक रही दालें

उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 17 मार्च को देश में अरहर दाल की औसत कीमत 150.22 रुपये प्रति किलो है। सबसे अधिक 199 रुपये और सबसे कम 87 रुपये किलो है। चना दाल की औसत कीमत 82.96 रुपये थी तो अधिकतम मूल्य 140, न्यूनतम मूल्य 60 रुपये प्रति किलो है। उड़द दाल का रेट 123.72 रुपये प्रति किलो रहा। सबसे महंगा 174 रुपये और सबसे सस्ता 68 रुपये किलो था। उड़द दाल का मॉडल प्राइस 120 रुपये है। इसी तरह मूंग दाल 117.36 रुपये प्रति किलो के औसत रेट से बिका। इसका अधिकतम मूल्य 166 और न्यूनतम 89 रुपये रहा। मसूर दाल की औसत कीमत 93.63 रुपये प्रति किलो रही। 17 मार्च को सबसे सस्ता मसूर दाल 70 और सबसे महंगा 157 रुपये प्रति किलो के रेट से बिका।

8,000 टन खरीदा अरहर, अब मसूर की बारी

अधिकारी ने बताया बफर स्टॉक को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम सुनिश्चित खरीद मूल्य अथवा बफर खरीद मूल्य पर यह खरीद की जाएगी। इन दोनों दालों को सरकारी एजेंसियों नेफेड और एसीसीएफ द्वारा सीधे पहले से पंजीकृत किसानों से खरीदा जाएगा। अरहर की खरीद जनवरी में शुरू हुई और अब तक दोनों एजेंसियों ने लगभग 8,000 टन की खरीद की है। मसूर की खरीद इसी महीने शुरू होने वाली है।

इसलिए कवायद

गौरतलब है कि अरहर सहित कुछ दालों के कम उत्पादन के कारण बाजार में कीमतें तेज हुई हैं। लोगों को इससे राहत देने के लिए सरकार बफर स्टॉक बढ़ा रही है। इससे दालों की कीमतों पर काबू पाया जा सकेगा।

केंद्रीय पोर्टल के जरिए होगी खरीद

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में अरहर दाल खरीद के लिए नए पोर्टल की शुरुआत की है। दाल खरीद के इस नए मंच पर किसान पंजीकरण करा सकते हैं और अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य या बाजार मूल्य पर एनएएफईईडी और एनसीसीएफ को बेच सकते हैं। दाल की खरीद होते ही नेफेड और एनसीसीएफ किसानों के खाते में ऑनलाइन पैसे जमा करा सकेंगी। इससे पूरी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता रहेगी।

इस साल भी तुफानी पारी खेलने के लिए तैयारी है अडानी, हर घंटे यहां खर्च करेंगे 14 करोड़ रुपए

नई दिल्ली- अडाणी ग्रुप इस फाइनेंशियल ईयर की तरह 2024-25 में भी तुफानी पारी खेलने के लिए तैयारी शुरू कर चुका है. कंपनी ने एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में बंदरगाह, ऊर्जा, हवाई अड्डा, जिंस, सीमेंट और मीडिया क्षेत्र तक फैले अपने कारोबार में 1.2 लाख करोड़ रुपए (लगभग 14 अरब अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करने की योजना बनाई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले 7-10 वर्षों में कारोबार बढ़ाने के लिए पहले से तय किए गए निवेश रकम को 100 अरब डॉलर से बढ़ाकर दोगुना कर दिया है. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित पूंजीगत खर्च इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 40 प्रतिशत अधिक है. विश्लेषकों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2023-24 में पूंजीगत खर्च लगभग 10 अरब डॉलर का होने का अनुमान है. सूत्रों ने कहा कि ये निवेश तेजी से मुनाफे में वृद्धि की बुनियाद तैयार करेंगे. समूह ने पहले कहा था कि अगले 7-10 वर्षों में 100 अरब डॉलर का कैपिटल एक्सपेंडिचर किया जा सकता है. इस निवेश का अधिकांश भाग समूह के तेजी से बढ़ते व्यवसायों नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और हवाई अड्डों में किया जाना है. कैपिटल एक्सपेंडिचर का ज्यादातर हिस्सा हरित ऊर्जा के लिए होगा. इसके अलावा हवाई अड्डों और बंदरगाह व्यवसायों पर खर्च किया जाएगा. उद्योगपति गौतम अडानी जल्द ही टाटा ग्रुप को टक्कर दे सकते हैं और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में दस्तक दे सकते हैं. ये बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि हाल ही में चिप बनाने वाली कंपनी क्वॉलकॉम के सीईओ क्रिस्टियानो आर. एमोन से उन्होंने मुलाकात की थी. दोनों के बीच हुई लंबी चर्चा के दौरान सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत की क्षमता और एआई में उसकी भूमिका को लेकर बातचीत हुई है. बता दें कि क्वालकॉम दुनिया की उन टॉप कंपनियों में शामिल है जो मोबाइल फोन के लिए चिप डिजाइन और मेकिंग करती है. इसके अलावा कंपनी वायरलेस टेलीकॉम प्रोडक्ट्स के डिजाइन और मैन्यूफैक्चरिंग में भी आगे है. जबकि अडानी ग्रुप ने 2022 में बंदरगाहों, लॉजिस्टिक और बिजली उत्पादन में निजी उपयोग वाले नेटवर्क के लिए 5जी स्पेक्ट्रम की एक छोटी मात्रा खरीदी थी. अडानी समूह कई स्थानों पर डेटा सेंटर भी बना रहा है.

सन्न रह गया चीन, विदेशी पैसे ने बदला भारत के बाजार का सीन

नई दिल्ली- विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले ही पखवाड़े में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी. जी हां, बीते 10 साल में ऐसा पहली बार देखने को मिला है, जबकि विदेशी निवेशकों ने मार्च के महीने में 40 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश कर दिया है. इस आंकड़ें को देखकर चीन भी काफी हैरान है. क्योंकि चीन का शेयर बाजार विदेशी निवेशकों के लिए तरस रहा है. वहीं दूसरी ओर भारत का शेयर बाजार ओवर वैल्यूड होने के बाद भी विदेशी निवेशकों के पैसों की बरसात में भीग रहा है. जानकारों की मानें तो इकोनॉमिक सिनेरियों में सुधारद घरेलू मोर्चे पर मजबूत आंकड़ों से एफपीआई का भारतीय शेयरों में आकर्षण बना हुआ है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर 15 मार्च तक विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में कितना निवेश किया है.

10 साल में नहीं हुआ ऐसा-

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, मार्च के महीने में विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में 40,710 करोड़ रुपए का निवेश किया है. इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे. वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे. खास बात तो ये है कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से मार्च के महीने में कभी इतना निवेश विदेशी निवेशकों की ओर नहीं किया गया. खास बात तो ये है है कि साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा मौका है जब वित्त वर्ष के आखिरी महीने में विदेशी निवेशकों ने 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया है. वहीं बीते 10 साल में पहली बार ऐसा मौका आया है विदेशी निवेशकों ने 40 हजार करोड़ रुपएउ से ज्यादा निवेश किया है. अभी मार्च का महीना खत्म नहीं हुआ है. इस आंकड़ें में और ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है.

10 साल में सिर्फ दो बार निकाले पैसे

बीते 10 साल में दो ही बार ऐसा देखने को मिला जब विदेशी निवेशकों ने मार्च के महीने में अपना पैसा शेयर बाजार से निकाला है. एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार साल 2015 से लेकर 2019 तक विदेशी निवेशकों का मार्च के महीने में लगातार निवेश देखने को मिला. पहली साल 2020 में विदेशी निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार से करीब 62 हजार करोड़ रुपए निकाले. ये वो साल था, जब पूरी दुनिया में कोविड प्रकोप था और भारत में भी लॉकडाउन लगने वाला था. उसके बाद साल 2022 में विदेशी निवेशकों ने 41 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निकाले थे.

क्या कह रहे हैं जानकार

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बदलाव की वजह से अपनी रणनीति बदल रहे हैं. चूंकि अमेरिका में बॉन्ड पर यील्ड फिर बढ़ गया है, ऐसे में आगामी दिनों में एफपीआई फिर बिकवाली कर सकते हैं. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार की वजह से एफपीआई भारत जैसे बाजारों का रुख कर रहे हैं. इसके अलावा बाजार में हालिया करेक्शन से भी उन्हें निवेश का अवसर मिला है.

डेट मार्केट में भी निवेश

शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में डेट या बॉन्ड बाजार में 10,383 करोड़ रुपए का निवेश किया है. डेट या बॉन्ड बाजार की बात की जाए, तो ब्लूमबर्ग ने अगले साल 31 जनवरी से भारतीय बॉन्ड को इमर्जिंग मार्केट (ईएम) लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स में शामिल करने की घोषणा की है. इसके चलते एफपीआई बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं. इससे पहले उन्होंने बॉन्ड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये डाले थे. कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 16,505 करोड़ रुपये डाल चुके हैं. इस दौरान उन्होंने ऋण बाजार में 52,639 करोड़ रुपये का निवेश किया है.

'चीन में लोकतंत्र नहीं, इसलिए उसकी भारत जैसे मूल्यों वाले देश से तुलना सही नहीं', सीतारमण की दो टूक

नई दिल्ली। भारत की तुलना चीन से करने वालों की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत जैसे मूल्यों वाले देश की तुलना चीन से करना सही नहीं, क्योंकि चीन में लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा है कि भारत को आर्थिक मामलों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। इसे आर्थिक शक्ति बनना चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने के लिए वर्तमान में आर्थिक स्वतंत्रता की आवश्यकता है और आश्वासन दिया कि देश निकट भविष्य में विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। 'श्रीमती इंदिरा गांधी कॉलेज' में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सीतारमण ने कहा, देश वैश्विक रैंकिंग में 10वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गया है और कुछ साल बाद हम तीसरा स्थान हासिल करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित छात्रों से राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने की अपील करते हुए कहा, आप जैसे छात्रों के प्रयासों से हमारा देश 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। कुछ लोगों की ओर से चीन की प्रगति और भारत के साथ तुलना करने का जिक्र करते हुए सीतारमण ने कहा कि दोनों देश 30 साल पहले एक स्तर पर थे। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (चीन) विभिन्न कारणों से प्रगति की है, जिसका यहां पालन नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए, चीन में कोई लोकतंत्र नहीं है। लेकिन हमारे पास नागरिक स्वतंत्रता है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता यहां है और हमारी प्रणाली में मूल्य निहित हैं। एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए, हमें सकारात्मक रूप से सोचना चाहिए। सीतारमण ने करीब 400 साल पहले भारत के एक समृद्ध देश होने का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी इंडोनेशिया और अन्य पूर्वी एशियाई देशों में भारत के संबंधों का संदर्भ मिलता है। चोल इंडोनेशिया गए थे और वहां एक राज्य स्थापित किया था। आज भी इसके संदर्भ मौजूद हैं। सीतारमण ने कहा कि मैं यह कहने का प्रयास कर रही हूं कि आज के दिन जब हम महात्मा गांधी को याद करते हैं, हमें आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करनी चाहिए और साम्राज्यवादी ताकतों से मुक्त होना चाहिए। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में आपके (छात्रों के) सभी योगदान के साथ देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत (अभियान) के बारे में बात करते हैं। भारत को पारंपरिक रूप से संस्कृति में समृद्ध बताते हुए उन्होंने कहा कि कई लोगों ने इस देश की विरासत की सराहना की है। सीतारमण ने कहा, करीब 20 साल पहले कई देश टिप्पणी कर रहे थे कि भारत सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। लेकिन आज दुनिया के अधिकांश राष्ट्र यह देखकर चकित हैं कि हमने डिजिटल प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके कैसे प्रगति की है। वे डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने में भारत को एक उदाहरण के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत से अध्यक्षता लेने वाले ब्राजील के एक शीर्ष मंत्री ने भी अपने देश में डिजिटल प्रौद्योगिकी अवसंरचना के मामले में भारत से मेल पर संदेह जाहिर की थी। सीतारमण ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी का मतलब भुगतान से जुड़ी सुविधाओं के बारे में नहीं है बल्कि यह कोविड-19 महामारी के दौरान हुई क्रांति के बारे में भी है जब मोबाइल फोन के माध्यम से टीकाकरण की स्थिति से जुड़े डिजिटल प्रमाणपत्र जारी किए गए। उस दौरान आप अपने मोबाइल फोन में प्रमाण पत्र के साथ समय, तारीख, स्थान, और आपको कौन सा टीका दिया गया इसकी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, हम हर क्षेत्र में डिजिटल का इस्तेमाल कर रहे हैं। न केवल भुगतान के लिए, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। पिछले 10 वर्षों में भारत में कई विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

बेटी की शादी के लिए मोदी सरकार की ये बड़ी स्कीम काफी मददगार होगी साबित

नई दिल्ली । *बिटिया की शादी की चिंता करने वाले पैरेंट्स के लिए मोदी सरकार की स्कीम- सुकन्या समृद्धि खाता काफी मददगार साबित हो सकती है। इस स्कीम के तहत आप सिर्फ 250 रुपये के निवेश से शुरुआत कर सकते हैं। वहीं, सरकार की ओर से 8.2त्न ब्याज दिया जाता है। आइए डिटेल जान लेते हैं। अधिकतम कितना जमा कर सकते हैं एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम जमा राशि 250 और अधिकतम जमा राशि 1.5 लाख है। खाता किसी लड़की के नाम पर उसके 10 वर्ष की आयु होने तक खोला जा सकता है। वहीं, एक लड़की के नाम पर केवल एक ही खाता खोला जा सकता है।*

कब पैसे निकाल सकते हैं *खाताधारक की उच्च शिक्षा के उद्देश्य से शिक्षा व्यय को पूरा करने के लिए निकासी की अनुमति दी जाएगी। 18 वर्ष की आयु के बाद लड़की की शादी होने पर खाता समय से पहले बंद किया जा सकता है। खाता खोलने की तारीख से 21 वर्ष की अवधि पूरी होने पर मैच्योर हो जाएगा। बता दें कि खाता डाकघरों और अधिकृत बैंकों में खोला जा सकता है। खाते को भारत में कहीं भी एक डाकघर/बैंक से दूसरे में स्थानांतरित किया जा सकता है। योजना के तहत जमा राशि पर टैक्स छूट का भी प्रावधान है।*

अप्रैल-जून अवधि ब्याज *सरकार ने एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिये विभिन्न लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। मतलब ये कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा राशि पर पहले की तरह 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी। इसी तरह, पीपीएफ और बचत जमा पर भी ब्याज दरें क्रमश- 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और यह निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर एक अप्रैल से 30 जून, 2024 की अवधि के लिए 7.7 प्रतिशत होगी। वहीं, मासिक आय योजना के लिए ब्याज दर चालू तिमाही की तरह 7.4 प्रतिशत होगी।*

पचमढ़ी से ज्यादा ठंडी रात, दिन गर्म,अब दो दिन बाद बढ़ेगी गर्मी

ग्वालियर। बंगाल की खाड़ी में उच्च दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके कारण दक्षिण पूवी मध्य प्रदेश में तेज आंधी,वर्षा और ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है। इसका असर उत्तरी मध्य प्रदेश में भी देखा जा रहा है। ग्वालियर-चंबल अंचल में आसमान में बादलों का आना-जाना लगा हुआ है। जिसके कारण दिन व रात का तापमान कम ज्यादा हुआ है। दिन का तापमान एक डिग्री बढ़ गया तो रात का घट गया। दिन में धूप की चमक भी लोगों को चुभी तो आसमान में बादलों से राहत भी मिली। मौसम वैज्ञानिक आरके शर्मा का कहना है कि यह स्थिति सोमवार को भी रहने वाली है। जिससे रात व दिन का तापमान ऐसा ही रहने वाला है। दो दिन बाद दिन व रात का तापमान बढ़ेगा। बंगाल की खाड़ी में बना हवाओं का चक्रवात कमजोर पड़ेगा जिसके कारण दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश में इसका असर घटेगा । दक्षिण पूवी क्षेत्र से आ रही हवाओं का असर भी ग्वालियर चंबल अंचल में नहीं रहेगा। आसमान से बादल जाते रहेंगे जिसके कारण दिन में धूप गर्मी दिखाएगी और आसमान साफ होने से रात का तापमान भी बढ़ेगा। रविवार की सुबह आसमान साफ रहा, लेकिन दिन जैसे-जैसे आगे बढ़ा वैसे-वैसे धूप ने गर्मी दिखाई। बीच-बीच में आए बादलों ने राहत भी दी और बढ़ते तापमान पर अंकुश लगाने का काम किया । इसके बाद भी दिन का तापमान 0.8डिग्री बढ़ गया और तापमान 31.5 डिग्री दर्ज किया गया । जबकि रात के तापमान में 0.7 डिग्री की कमी आई और न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह के समय हवा में नमी 74 फीसद और दोपहर में 36 फीसद दर्ज की गई। शहर का मौसम पश्चिमी विक्षोभ के आने जाने से प्रभावित हो रहा है। हालात यह है कि कभी गर्मी तो कभी ठंडक आ जाती है। पश्चिमी विक्षोभ का असर सोमवार की शाम को समाप्त होना बताया गया । दो दिन बाद 20 मार्च को फिर एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने वाला है जिसका असर 22 और 23 मार्च को दिखाई देगा और दिन व रात का तापमान कम होगा। तब तक तापमान तेजी से बढ़ेगा।

शर्मा बंधु से सुरक्षा तो छीनी, 2.55 करोड़ रुपये की वसूली को लेकर गफलत में पुलिस

ग्वालियर। महलगांव में रहने वाले दिलीप शर्मा और संजय शर्मा से पुलिस सुरक्षा तो छीन ली गई है, लेकिन इनसे 2.55 करोड़ रुपये की वसूली को लेकर पुलिस उलझन में है। आखिर इनसे वसूली कैसे होगी। इसे लेकर कोर्ट के आदेश और नियमों के आधार पर वसूली के लिए नोटिस दिया जाएगा। सोमवार को इस संबंध में आगामी कार्रवाई होगी। पुलिस मुख्यालय से भी इस संबंध में निर्देश आए हैं।खुद को जान का खतरा बताकर पुलिस सुरक्षा हासिल करने और समाज में अपना रौब, रुतबा बढ़ाने के लिए पुलिस सुरक्षा का उपयोग करने वाले शर्मा बंधुओं की सुरक्षा हटाने के लिए हाइकोर्ट ने आदेश दिया था। हाइकोर्ट ने 2.55 करोड़ रुपये की वसूली के भी आदेश दिए। शर्मा बंधु पिछले करीब 12 साल से पुलिस सुरक्षा लेकर इसका दुरुपयोग कर रहे थे। इसे लेकर हाइकोर्ट सख्त हुआ। हाइकोर्ट के आदेश के बाद भी दो दिन बाद पुलिस सुरक्षा हटाई गई। अब इनसे 2.55 करोड़ रुपये की वसूली बड़ी चुनौती है। इसके लिए नियम ढूंढे जा रहे हैं।

12 साल सुरक्षा का आडिट क्यों नहीं, अधिकारी कटघरे में

शर्मा बंधुओं को सुरक्षा देने के बाद 12 साल तक इस तरफ ध्यान न देने वाले पुलिस अधिकारी कटघरे में हैं। आखिर किस तरह 12 साल तक सुरक्षा जारी रही, आडिट क्यों नहीं किया गया, किस प्रभाव में इनसे बीच में वसूली नहीं की गई। जबकि नियमानुसार सुरक्षा उपलब्ध करवाने से पहले ही भुगतान लेना है।

बड़वानी के अंजड़ नगर में शांति सुनिश्चित करते हुए आगामी त्योहारों का आयोजन के लिए ली गई बैठक

बड़वानी, अंजड़ आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस थाना अंजड़ के द्वारा शांति समिति की बैठक ली गई आचार संहिता लगने के बाद त्योहारों को सभी के साथ मे मनाया जायें नगर मे हमेशा की तरह शांति बनाए रखें जाए और सभी त्योहार शांतिपूर्वक उत्सव और धूमधाम के साथ मनाया जाऐ इन्हीं बात को लेकर आज पुलिस थाना अंजड़ के अंदर नायक तहसीलदार महोदय सीएमओ राकेश चौहान नगर पालिका के अध्यक्ष मांगीलाल मुकाती एवं थाना प्रभारी महोदय गिरवर जलोदिया जी उपस्थित थे। थाना प्रभारी ने सभी शांति समिति के सदस्यों को बताया कि वर्तमान में भी आचार संहिता चल रही है शांति से हम सभी त्योहारों को मनायें एवं अभी सामने ने होली का पर्व रंग पंचमी शीतला सप्तमी चैत्र नवरात्र गणगौर पर्व रामनवमी एवं नगर का प्रमुख आकर्षण गाड़ा खींचीई का कार्यक्रम एवं ईद का त्यौहार भी सामने है सभी लोग आपस में शांति बनाए रखें और मिलजुल कर सभी त्योहार परंपरागत तरीके से ईद मनाई किसी भी प्रकार के डीजे एवं जुलूस के लिए एसडीम महोदय से अनुमति लेनी होगी बगैर अनुमति का कोई भी कार्यक्रम किया तो प्रशासन उस पर कड़ी कार्रवाई करेगी। उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी अपनी बात रखी और प्रशासन के समस्त अधिकारियों ने शांतिपूर्वक सभी बातें सुनी और उनका निराकरण किया इस अवसर पर नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा में शामिल होने पर धामनोद नगर परिषद अध्यक्ष पाटीदार का भाजपा कार्यालय में स्वागत किया

सीमा पाटीदार नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा कांग्रेस लगातार दिशाहीन हो रही है

नवीन मैहर । सिटी चीफ धार, नगर परिषद धामनोद अध्यक्ष सीमा पाटीदार और उनके पति पूर्व पार्षद और नगर कांग्रेस अध्यक्ष विष्णु पाटीदार विगत दिनों भोपाल भाजपा कार्यालय में न्यू ज्वॉइनिंग कार्यक्रम में भाजपा में शामिल हुए थे । रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी समक्ष स्वागत कार्यक्रम किया गया जिसमे धामनोद नगर परिषद अध्यक्ष सीमा पाटीदार और उनके पति पूर्व पार्षद नगर कांग्रेस अध्यक्ष विष्णु पाटीदार पवन महिलिया पवन मुकाती राजाराम यादव अक्कु राजावत संजय पाटीदार सहित सैकड़ो काँग्रेस कार्यकर्ताओं का भाजपा में शामिल होने पर स्वागत किया गया। धामनोद नगर परिषद अध्यक्ष सीमा विष्णु पाटीदार ने बताया कि नगर विकास हित में भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश लिया है। उन्हें सभी वरिष्ठ भाजपाईयों का समर्थन प्राप्त है। क्षेत्रीय विधायक कालूसिंग ठाकुर का भी में आभारी रहूंगी । साथ ही कहा कि जब से राम मंदिर पुजन का न्योता कांग्रेस ने ठुकराया था, तभी से उनका मन विचलित था। देश को मोदी जी के लगातार नेतृत्व की जरूरत है और कांग्रेस लगातार दिशाहीन हो रही है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस दौरान डॉ शरद विजयवर्गीय जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे श्याम नायक प्रमोद केडिया पूर्व मंडी अध्यक्ष डॉ कृष्णचंद्र पाटीदार राधेश्याम कसरावदिया,जगदीश जाट जय सूर्या राहुल राठौड़ विवेक गौड़ उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024

आचार संहिता प्रभावशील होने के साथ ही जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू

रतलाम। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत आदर्श शासन संहिता प्रभावशील होने के साथ ही कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री राजेश बाथम द्वारा संपूर्ण रतलाम जिले में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों के अनुसार सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना एक स्थान पर एक समय में पांच या पांच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार आग्नेय शस्त्र, हाकी, डंडा, रॉड इत्यादि लेकर नहीं चलेगा अथवा दुरुपयोग नहीं करेगा और ना ही प्रदर्शन करेगा। किसी भी प्रकार के उत्सव तथा समारोह में हवाई फायर वर्जित रहेंगे। इसी प्रकार कोई भी व्यक्ति समूह संस्था या अन्य सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना किसी भी स्थान पर सभा, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, वाहन संधारण रैली आदि का आयोजन नहीं करेगा। शासकीय, अशासकीय स्कूल, मैदान, भवन, शासकीय कार्यालय के परिसर पर किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी।कोई व्यक्ति, संस्था, समूह या अन्य डीजे अथवा बैंड का संचालक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना बैंड, डीजे, ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग नहीं करेगा। प्रत्येक को मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 तथा इस संबंध मेंशासन के अन्य नियमों का पूर्ण पालन करना आवश्यक होगा। कोई व्यक्ति, संस्था, समूह या अन्य कोई भी धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में एसिड, पेट्रोल, केरोसिन आदि ज्वलनशील पदार्थ अपने पास नहीं रखेगा या लेकर नहीं चलेगा या उपयोग नहीं करेगा। किसी भी प्रकार के धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में पटाखे, विस्फोटक सामग्री का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। अनुज्ञप्तिधारी को छोड़ कोई भी व्यक्ति बारूद, पटाखों का संग्रहण निर्माण या परिवहन नहीं करेगा।कोई भी व्यक्ति, संस्था, समूह या अन्य किसी भी स्थान पर किसी भी प्रयोजन हेतु सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना टेंट, पांडाल आदि का स्थाई या अस्थाई निर्माण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष किसी भी सड़क, रास्तों, हाईवे आदि पर एकत्रित होकर यातायात में व्यवधान नहीं करेंगे या किसी अन्य प्रकार से कोई रुकावट उत्पन्न नहीं करेंगे तथा किसी व्यक्ति को आने-जाने एवं उसके कार्य करने से नहीं रोकेंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या ग्रुप एडमिन या अन्य सोशल मीडिया इलेक्ट्रॉनिक संसाधन जैसे मोबाइल, कंप्यूटर, फेसबुक, ईमेल, व्हाट्स एप एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों पर किसी दल, धर्म, जाति, संप्रदाय, संस्था, व्यक्ति विरोधी एवं आम लोगों की भावना भड़काने तथा कानूनी व्यवस्था की विपरीत स्थिति निर्मित करने वाले आपत्तिजनक मैसेज, चित्र, कमेंट, बैनर, पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेगा। मतदान दिनांक को मतदान केंद्र में तथा मतगणना के दिन मतगणना स्थल पर एवं इन स्थानों की निर्धारित परिधि में सेल्युलर फोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा और ना ही कोई व्यक्ति सेल्युलर फोन रख सकेगा। कोई भी व्यक्ति किराएदार रखेगा उसकी सूचना तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को देगा। समस्त होटल, लॉज तथा धर्मशाला में ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी उस संस्था के मैनेजर, स्वामी द्वारा संबंधित थाना प्रभारी को प्रतिदिन अवगत कराएंगे।जारी आदेश के संबंध में सक्षम प्राधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं, इनमें संपूर्ण जिला सम्मिलित होने की स्थिति में अपर जिला दंडाधिकारी तथा अपने-अपने अनुभाग, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत अनुविभागीय दण्डाधिकारी सक्षम प्राधिकारी रहेंगे। आदेश का उल्लंघन भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 के अंतर्गत दंडनीय अपराध होगा। आदेश तत्काल प्रभावशील होकर लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की प्रक्रिया पूर्ण होने तक प्रभावशील रहेगा।

सीईओ जनपद मंदसौर श्री पंवार को कलेक्टर ने कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया

मंदसौर। लोकसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा के पश्चात आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए सम्पत्ति के विरूपण के प्रभावी रोकथाम हेतु निर्वाचन आयोग के अनुदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने हेतु सीईओ जनपद पंचायत मंदसौर श्री रामप्रतापसिंह पंवार को निर्देशित किया गया था, परन्तु ग्राम पंचायत दलौदा के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत दलौदा में दीवार लेखन, पोस्टर/पेपर्स, होर्डिंग्स, बैनर हटाये जाना नहीं पाये गये। इससे यह प्रतित होता है कि आपके क्षेत्रांर्गत सरकारी सम्पति का विरूपण सरकारी सम्पति पर सभी प्रकार के भिति लेखन, पोस्टर्स/पेपर्स या अन्य किसी में विरूपण, कटआउट / होर्डिंग्स, बैनर, झण्डे आदि का हटाये जाने के संबंध में आपके स्तर से कोई प्रभावी रोकथाम नही की जाकर निर्वाचन आयोग के अनुदेशों का= आपके दवारा पालन नहीं किया जाकर वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों की अवहेलना की जाकर अपने पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही तथा उदासीनता बरती गई। इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के 03 दिवस के भीतर कलेक्टर के समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। 03 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत ना होने की दशा में इनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

जो दूसरों के लिए जीता है और दूसरों के दुख को दूर करने का प्रयास करता है वह सच्चा और अच्छा पत्रकार होता है - पंडित मिथिलेश जी

मंदसौर,रतलाम,नीमच जिले के पत्रकार हुए शामिल, हुआ पत्रकारों का सम्मान मल्हारगढ़ (मंदसौर)। आंचलिक पत्रकार संघ का सम्मेलन मल्हारगढ़ मे संपन्न हुआ। तहसील इकाई मल्हारगढ़ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में मंदसौर ,रतलाम,नीमच जिले के पत्रकार शामिल हुए, सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवियों तथा उपस्थित पत्रकारों का सम्मान किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि भागवत आचार्य पंडित मिथिलेशजी मेहता निनोरा धाम आश्रम के सानिध्य में एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश टांक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष अतिथिगण के रूप में खाटू श्याम मंदिर के पुजारी आशीष शर्मा, संभाग अध्यक्ष अभय सुराना, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पाठक, प्रदेश सचिव अब्दुल वाहिद रईस, सह सचिव गायत्री प्रसाद शर्मा, जिला महासचिव तुलसीराम राठौड, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट, समाजसेवी कृष्णपाल सिंह शक्तावत मुंदेड़ी, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधी कन्हैयालाल पाटीदार , नगर भाजपा अध्यक्ष आशीष विजयवर्गीय, भाजपा नेता आशीष दीक्षित, समाज सेवी संजय रतनावत उपस्थित थे। सम्मेलन को प्रभावी रूप से संबोधन करते हुए मुख्यातिथि भागवत आचार्य पंडित मिथिलेश जी मेहता निनोरा धाम आश्रम ने कहा कि जीना तो औरों के लिए जीना और पत्रकार रात को रात नही समझता, दिन को दिन नही देखता,कंपकपाती ठंड में समाचार के लिए पत्रकार सजगता से कार्य करता है। संत ने कहा कि पत्रकारिता की पवित्रता का दूसरा नाम आंचलिक पत्रकार संघ है। आंचलिक पत्रकार संघ के पत्रकार आज इस सम्मेलन से यह संकल्प लेकर जाए की कलम की शक्ति और अपनी ऊर्जा हमेशा अच्छे कार्यों के लिए करते रहेंगे। सज्जन लोगों की मदद करेंगे और दुर्जन लोगों को हमेशा बेनकाब करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकार अपनी सोच को व्यापक करें और कदम से कदम मिलाकर संगठन के साथ चले संगठन में शक्ति होती है यह बात सभी जानते हैं। पंडित मिथिलेश जी ने कहा की प्राचीन काल में नारद मुनि जी ने जो सेवा और कार्य किया आज वह कार्य इस युग में पत्रकार कर रहेहैं, पत्रकार समाज को जागृत करने का कार्य करते हैं सही मार्ग दिखाने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर आंचलिक पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश टॉक ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आंचलिक पत्रकार संघ प्रदेश का सबसे सजग गतिशील पत्रकार संगठन है जो बरसों से पत्रकारों के हितों के लिए कार्य कर रहा है आंचलिक पत्रकार संघ अंचल के पत्रकारों की समस्याओं को दूर करने लिए हमेशा तैयार रहता है। आंचलिक पत्रकार संघ ने पत्रकार के हितों की लड़ाई सरकार से हमेशा लड़ी है और हम आपको भरोसा दिलाते हैं की भगवान न करे अगर आंचलिक पत्रकार संघ के किसी पत्रकार पर समाचार को लेकर कोई विपत्ति आई तो हम और हमारा संगठन पत्रकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। श्री टांक ने कहा कि ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करने वाले पत्रकार हमेशा सम्मान पाते हैं। आंचलिक पत्रकार संघ का यह सपना है की मध्य प्रदेश की हर तहसील में पत्रकारों के लिए पत्रकार भवन बनाए जाए। आंचलिक पत्रकार संघ शीघ्र ही ग्रामीण क्षेत्र में पत्रकारो के लिए कार्यशाला आयोजित करेगा जिसमें देश व प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारो का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। खाटू श्याम मंदिर के पुजारी आशीष जी शर्मा ने कहां की पत्रकार समाज की स्थिति का सटीक चित्रण करते हैं। आज के दौर में पत्रकारिता करना बहुत कठिन कार्य है सच लिखना सत्यता के आधार पर समाचार को प्रकाशित करना तप के समान कार्य है। आंचलिक पत्रकार संघ के संभाग अध्यक्ष अभय सुराणा ने कहा कि प्रति स्पर्धा के इस युग में पत्रकार अपनी कलम से ही पहचान बना सकते हैं आपकी कलम आपकी पहचान बनेगी।अपने जीवन में कभी भी एक पत्रकार को दूसरे पत्रकार की बुराई नहीं करना चाहिए। पत्रकारों में यह एक सबसे बड़ी बुराई है कि हम दूसरों की बुराई करते हैं। हमें अपने अंदर के नकारात्मक विचारों को निकालने का प्रयास करना चाहिए और पत्रकारों को एकता के साथ रहना चाहिए। कार्यशाला की तरह दोपहर 1 बजे से चार बजे तक चले इस सम्मेलन को प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पाठक, प्रदेश सचिव अब्दुल वाहिद रईस, सह सचिव गायत्री प्रसाद शर्मा जिला महा सचिव तुलसीराम राठौड़, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट, समाजसेवी कृष्णपाल सिंह शक्तावत मुंदेड़ी, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधी कन्हैयालाल पाटीदार,नगर भाजपा अध्यक्ष आशीष विजयवर्गीय, मंदसोर संपादक संघ के ओंकार सिंह समाजसेवी संजय रत्नावत ने भी संबोधित किया।

जनहित संघर्ष समिति ने धरना देकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कुक्षी। नगर की जनहित संघर्ष समिति द्वारा विगत शुक्रवार को मंडी चौराहे पर नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया। जनहित संघर्ष समिति ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि सिविल हास्पिटल में मरीजों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में मरीजों के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए। रेडियोलाजिस्ट की पद स्थापना, शव वाहिनी एंबुलेंस तथा जनरेटर खरीदने की तुरंत अनुमति प्रदान की जाए। मेन मार्ग पर बसें खड़ी रहती हैं, जिसके कारण आवागमन प्रभावित होता है। इसलिए नवीन बस स्टैंड का निर्माण किया जाए। नगर के ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कचरा डालने से आग लग जाती है। इसके जहरीले धुएं से ट्रेंचिंग ग्राउंड के समीपस्थ स्कूल, मंदिर व सोसायटी होने से बच्चे, किसान एवं राहगीर के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इसलिए ट्रेंचिंग ग्राउंड को सरकार द्वारा आवंटित की गई जमीन पर स्थापित किया जाए। साथ ही घटना-दुर्घटना से बचने के लिए बड़वानी-आलीराजपुर व धार आलीराजपुर रोड पर बायपास का निर्माण किया जाए। कई बार सरकार को इस समस्या के बारे में अवगत करवा चुके हैं। जनहित संघर्ष समिति के अध्यक्ष महिमाराम पाटीदार ने ज्ञापन देते हुए कहा कि ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए इस पर तुरंत कार्रवाई की जाए, अन्यथा जनहित में बड़े आंदोलन किए जाएंगे। जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन का वाचन आनंद गुप्ता ने किया।

रूस -यूक्रेन युद्ध से सबक ले रही है चीनी सेना, सैनिकों को दे रही है टैंक नष्ट करने वाले ड्रोन्स का प्रशिक्षण

नेशनल डेस्क- भले रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग किसी त्रासदी से कम नहीं है, लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि दुनिया भर की सेनाएं इस जंग में यह सबक लेने में जुटी हैं कि अगर उन्हें भी इस तरह के युद्ध का सामना करना पड़ा तो वे क्या-क्या कर सकती हैं। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि रूस और यूक्रेन की जंग से सीखने के लिए चीन ज्यादा उत्सुक दिखाई देता है क्योंकि अपने तेजी से आधुनिकीकरण के लिए यह रूसी हथियारों और सिद्धांतों पर भी बहुत अधिक निर्भर और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) के पास इस तरह के बड़े युद्ध के अनुभव का अभाव है। रूस और यूक्रेन के युद्ध में बड़े पैमाने पर एंटी-शिप क्रूज़ मिसाइलों और सर्वव्यापी ड्रोन्स का उपयोग हो रहा है। यूक्रेन द्वारा रूस के टैंकों को नष्ट करने के लिए प्रथम-व्यक्ति दृश्य (एफ.पी.वी.) ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहा है और यह युद्ध इस बात का प्रमाण बन गया है कि संघर्ष में ड्रोन क्या कर सकते हैं। इसे देखते हुए चीन भी अब अपने सैनिकों को एफ.पी.वी. ड्रोन्स उड़ाने का प्रशिक्षण दे रहा है। एफ.पी.वी. ड्रोन पर इसलिए है चीन का फोकस यूक्रेनी सेनाओं ने अपनी धरती पर रूसी टैंकों को उड़ाने के लिए छोटे एफ.पी.वी. ड्रोन और रूस में सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचाने के लिए लंबी दूरी के उपकरणों का इस्तेमाल किया है। इस सर्दी में ड्रोन हमलों ने रूसी क्षेत्र के अंदर तेल रिफाइनरियों के साथ-साथ एक प्रमुख इस्पात कारखाने को भी प्रभावित किया है। विस्फोटकों से लदे नौसैनिक ड्रोन रूसी जहाजों से टकराए हैं। यूक्रेन एक युद्ध रणनीति के रूप में ड्रोन पर जोर दे रहा है। यही वजह है कि चीन भविष्य में होने वाले संभावित युद्धों के लिए यूक्रेनी सेना के इस युद्ध कौशल को अपनाना चाहता है। इसे प्रमुख सबक मानते हुए चीन खुद को आत्मसात करने की कोशिश कर रहा है। वायुशक्ति की सफलताओं पर भी नजर अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन समाचार पत्रिका दि डिप्लोमैट अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन समाचार पत्रिका में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी सैन्य विश्लेषक रूसी सैन्य प्रदर्शन की निर्मम आलोचना में शामिल नहीं हुए हैं, जोकि पश्चिम में आम बात है। चीनी सैन्य विश्लेषक अभी भी आधुनिक युद्ध के स्वरूप को समझने के लिए सबक की गहराई से जांच कर रहे हैं। उन्होंने अमरीका में नये हथियारों और रणनीतियों के प्रयोग में विशेष रुचि ली है। सैन्य रणनीतिकारों का मानना है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में वायु शक्ति द्वारा सफलताएं देखी जा सकती हैं। दुनिया की कई सेनाएं यूक्रेनी एफ-16 लड़ाकू विमानों की आसन्न तैनाती पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। रूसी हैलीकॉप्टर केए-52 प्रभावित चीन रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी वायु शक्ति के संबंध में चीनी रणनीतिकार यूक्रेन में रूसी हमले के हेलीकॉप्टर संचालन पर काफी हद तक आकर्षित हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि हेलीकॉप्टर ताइवान को जीतने की किसी भी चीनी रणनीति के केंद्र में हैं। ये हैलिकॉप्टर काल्पनिक ताइवान परिदृश्य में तट पर आने वाली उभयचर सेनाओं के लिए व्यापक हवाई कवर और मारक क्षमता दोनों प्रदान कर सकते हैं।

विशेष रूप से एक रूसी हैलीकॉप्टर केए-52 ने चीनी सेना ध्यान आकर्षित किया है। यह न केवल रूस का सबसे उन्नत हमला हेलीकॉप्टर है, बल्कि इसमें कुछ महत्वपूर्ण डिजाइन नवाचार शामिल हैं। बता दें कि पी.एल.ए. नौसेना और अन्य चीनी सशस्त्र बल दशकों से रूसी हेलीकॉप्टरों पर बड़े पैमाने पर निर्भर रहे हैं।

हेलीकॉप्टर को कहते हैं पुतिन का गिद्ध

रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन के ग्रीष्मकालीन जवाबी हमले के दौरान केए-52 के मजबूत प्रदर्शन के बाद इसके आकलन में काफी बदलाव आया है। एलीगेटर हमले के हेलीकॉप्टरों को बड़ी संख्या में यूक्रेनी बख्तरबंद वाहनों को नष्ट करने का श्रेय दिया गया, जिनमें सबसे उन्नत पश्चिमी प्रकार के तेंदुआ टैंक और ब्रैडली ए.एफ.वी. शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन के रक्षा मंत्री इन युद्धक्षेत्र के घटनाक्रम से परेशान थे और चीनी मूल्यांकन से पता चला कि रक्षा विश्लेषकों ने रूसी एलीगेटर हमले के हेलीकॉप्टर को पुतिन का गिद्ध या नाटो टैंक किलर के रूप में पुन: ब्रांडेड किया है।

रूस में राष्ट्रपति चुनाव के शुरुआती नतीजों में जीत की ओर बढ़ रहे हैं पुतिन

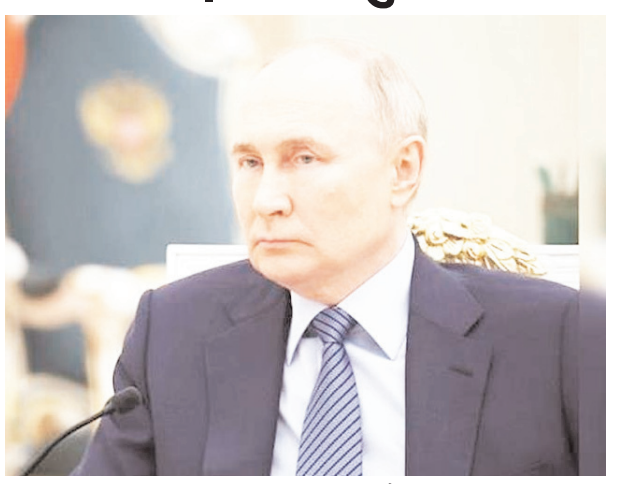

नेशनल डेस्क- रूस में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव के शुरुआती नतीजों में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जीत की ओर बढ़ रहे हैं। यह उनका पांचवा कार्यकाल होगा। चुनाव में उन्हें नाममात्र की चुनौती थी और आरोप है कि उन्होंने विपक्षी नेताओं का क्रूरता से दमन किया। पुतिन ने शुरुआती नतीजों को उनमें लोगों का 'विश्वास और 'उम्मीद बताया, जबकि आलोचकों ने नतीजों को चुनाव की पूर्वनिर्धारित प्रकृति का एक और प्रतिबिंब बताया। मतदान खत्म होने के बाद स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करते हुए पुतिन ने कहा, बिल्कुल हमारे पास बहुत काम हैं। लेकिन मैं सबसे यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि जब हम एकजुट थे, तो कोई भी हमें डराने, हमारी इच्छाशक्ति और हमारे आत्म-विवेक को दबाने में कामयाब नहीं हुआ। उन्होंने कहा, वे अतीत में नाकामयाब रहे और वे भविष्य में भी असफल होंगे। पुतिन ने यह भी कहा कि उन्हें उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एलेक्सी नवलनी को जेल से रिहा करने के विचार के बारे में बताया गया था। यह बात विपक्षी नेता की मृत्यु से कुछ दिन पहले की है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह इस शर्त पर राजी हो गए थे कि नवलनी रूस वापस नहीं आएंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मांग

पाकिस्तान के आम चुनाव में जनादेश चुराने वालों के खिलाफ हो देशद्रोह कार्यवाही

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने फरवरी में हुए आम चुनाव में कथित तौर पर जनादेश चुराने वाले अधिकारियों के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। खान की यह टिप्पणी तब आई जब उन्होंने शनिवार को अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात की। इस मामले में इमरान के अलावा उनकी पत्नी बुशरा बीबी, सहयोगी फराह गोगी और दिग्गज कारोबारी मलिक रियाज भी शामिल है। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में धांधली के आरोप लगे थे। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित 90 से अधिक स्वतंत्र उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली में अधिकतम सीट जीती थीं, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने चुनाव के बाद समझौता किया और देश में गठबंधन की सरकार बनाई। पीटीआई का कहना है कि नई सरकार जनादेश चुराकर बनाई गई है। डॉनअखबार की रिपोर्ट के अनुसार, खान ने शनिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी को तीन करोड़ से अधिक वोट मिले, जबकि बाकी 17 राजनीतिक दलों को संयुक्त रूप से इतने ही वोट मिले। उनकी पार्टी ने चुनाव में अनियमितताओं को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने उठाया और गैर-सरकारी संगठनों ने भी चुनावी प्रक्रिया में खामियां बताईं। पहले पीटीआई को एक साजिश के तहत उसके चुनाव चिह्न बल्ला से वंचित किया गया और फिर उसे आरक्षित सीट में उसके हिस्से से वंचित कर दिया गया।

होली से पहले बरसाना के राधा रानी मंदिर में हुआ बड़ा हादसा, 25 श्रद्धालु घायल

नेशनल डेस्क- मथुरा जिले के बरसाना में राधा रानी मंदिर में लड्डू होली के आयोजन के दौरान भारी भीड़ के कारण रेलिंग टूटने से हुए हादसे में 25 श्रद्धालु घायल हो गए। मंदिर के एक पुजारी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि शनिवार शाम को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने से मंदिर की सीढ़ियों पर लगी रेलिंग उनका दबाव नहीं झेल सकी और वह टूट गयी।

इससे कई श्रद्धालु नीचे गिर पड़े जिससे भगदड़ मच गयी। इस घटना में 25 श्रद्धालु घायल हो गए। ये श्रद्धालु कई घंटों से मंदिर के पट खुलने का इंतजार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ का दबाव बढ़ने का एक कारण यह भी था कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु लड्डू लूटने में लगे थे। पुजारी ने बताया कि घायल श्रद्धालुओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उनमें से एक को केडी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल तथा चार को जिला अस्पताल ले जाया गया है। इस घटना में एक महिला की मौत की भी खबर आई थी लेकिन जिला प्रशासन ने उसे गलत करार दिया है। उसका कहना है कि महिला की मौत का इस घटना से कोई संबंध नहीं है।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, बारात से लौट रही कार दुर्घटनाग्रस्त, 3 बच्चों सहित 7 की मौत

खगड़िया: बिहार के खगड़िया जिले में भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां पर बारात से लौट रही कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 7 की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं इस हादसे में कुछ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा खगड़िया जिले के पसराहा थाना इलाके का है, जहां एनएच- 31 पर बारात से लौट रही एसयूवी और ट्रेक्टर के बीच भीषण भिड़ंत हो गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ और लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मृतक के परिजनों और बिठला गांव में कोहराम मच गया है। हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पसराहा थाना पुलिस पहुंच गई है। मामले की जांच की जा रही है। वहीं इस बाबत गोगरी के एसडीपीओ रमेश कुमार ने फोन पर बताया कि अभी पहली प्राथमिकता हादसे में घायल 4 लोगों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया गया। बता दें कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

कोलकाता में निर्माणाधीन इमारत गिरने से दो की मौत, कई अन्य घायल

नेशनल डेस्क- कोलकाता में रविवार रात एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि गार्डन रीच इलाके के हजारी मोल्ला बागान में आधी रात के आसपास पांच मंजिला इमारत ढह गई। उन्होंने बताया कि जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है जो मलबे में फंसे हो सकते हैं। कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल का निरीक्षण किया और चल रहे बचाव प्रयासों का आकलन किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, रविवार देर रात गार्डन रीच इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हमने कुछ लोगों को बचाया है। बचाव अभियान अभी भी जारी है। मौके पर एंबुलेंस तैनात कर दी गईं। प्रत्यक्षदर्शियों, ने बताया कि इमारत गिरने से पहले ही कंक्रीट के टुकड़े गिरने लगे थे। घटना के साथ तेज आवाज हुई और ढांचा ढहते ही आसपास धूल का घना बादल छा गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मलबा घनी आबादी वाले इलाके में आसपास की झोपड़ियों पर बिखर गया। एक स्थानीय निवासी ने कहा, हालांकि निर्माणाधीन इमारत में कोई नहीं रहता था, लेकिन यह बगल की झुग्गियों पर गिर गई। हमें डर है कि कई लोग अभी भी मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं।

दक्षिणी अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटना में गई 21 लोगों की जान, 38 अन्य घायल

इंटरनेशनल डेस्क. दक्षिणी अफगानिस्तान में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय यातायात विभाग की तरफ से यह जानकारी दी गई। हेलमंद में विभाग की ओर से एक बयान में कहा गया है कि दुर्घटना रविवार सुबह दक्षिणी कंधार और पश्चिमी हेरात प्रांतों के बीच मुख्य राजमार्ग पर हेलमंद प्रांत के गेराश्क जिले में हुई। हेलमंद में एक यातायात अधिकारी कादरतुल्ला ने कहा कि एक मोटरसाइकिल सवार अपने वाहन समेत एक यात्री बस से टकरा गया। इसके बाद बस सड़क के विपरीत दिशा में एक ईंधन टैंकर से टकरा गई। दुर्घटना की जांच चल रही है। हेलमंद पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता एज़ातुल्ला हक्कानी ने कहा कि 38 घायल लोगों में से 11 को गंभीर चोटों के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सड़कों की खराब स्थिति और वाहन चालकों की लापरवाही के कारण अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाओं के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं।

लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद इंडिया गठबंधन की हुंकार, मोदी को हराने का लिया संकल्प

नेशनल डेस्क - विपक्षी दलों के इंडिया समूह ने रविवार को शक्ति प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और उनको सीधे ललकारते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश बर्बाद हो गया है इसलिए इस बार विपक्ष एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बेदखल करेगा। इंडिया समूह के नेताओं ने यहां शिवाजी पार्क में आयोजित महारैली में भाजपा सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि वह मनमानी कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बर्बाद कर चुकी है और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े सवालों का समाधान नहीं कर उसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी पारदर्शिता को भी ध्वस्त किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मणिपुर से मुंबई तक आयोजित भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर आयोजित महारैली को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार, शिवसेना के उद्धव ठाकरे, डीएमके नेता तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तथा राजद नेता तेजस्वी यादव, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती, आम आदमी पार्टी के सौरव भारद्वाज सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कांग्रेस ने इस रैली में शामिल होने के लिए गठबंधन की सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया था। रैली में तृणमूल कांग्रेस की तरफ से कोई शामिल नहीं हुआ। खड़गे ने महारैली को संबोधित करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ताकत आरएसएस और मनुवाद है। उनके पास आरएसएस की शक्ति है। इसी विचारधारा से वह हमसब को कुचलना चाहते उनको ताकत रस से मिलती है और मनवाड़ से मिलती है और इस ताकत का उपयोग करके वह हम सबको कुचलकर देश के संवैधानिक ढांचे को ध्वस्त करना चाहते है। उन्होंने कहा, ''मोदी देश में जहां भी जाते हैं वह जगह-जगह दो तिहाई बहुमत की बात करते हैं। संसद में 400 का आंकड़ा पार करने की बात करते हैं। सवाल है कि उन्हें यह सब क्यों चाहिए तो इसका जवाब है कि वह देश के संविधान को बदलना चाहते हैं। दलित और पिछड़ों के अधिकारों को कुचलना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने महारैली में आए लोगों से कहा कि श्री मोदी को दो तिहाई बहुमत देश से गरीबी मिटाने के लिए नहीं, दलित और आदिवासियों को उनके अधिकार देने के लिए नहीं बल्कि संविधान को बदलने के लिए चाहिए। उनका इरादा बाबा साहब अंबेडकर के दिये संविधान को बदलने का हैं इसलिए देश के संविधान और देश के लोकतंत्र को बचाने की हम सब की जिम्मेदारी है। गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा उन्हें इसलिए करनी पड़ी क्योंकि मीडिया देश के अहम मुद्दों को नहीं उठा रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों का मुद्दा तथा अग्निवीर का मुद्दा आज सबसे बड़े मुद्दे हैं, लेकिन ये सब मुद्दे आज मीडिया में नहीं दिखते। देश के युवाओं को मौका नहीं दिया जा रहा है जबकि देश के महज 22 पूंजीपतियों के पास इतना पैसा है जितना देश की 70 करोड़ आबादी के पास भी नहीं है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर भी सवाल उठाए और कहा कि इसमें गड़बड़ी है और पूरा देश पूछ रहा है कि एवं से चुनाव ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, ''भाजपा मोदी के बिना चुनाव नहीं जीत सकते हैं। उनका कहना था कि विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से मिलने का समय मांगा और कहा कि जिससे वोट दिया है उसकी सुनिश्चितता के लिए पर्ची की गिनती होनी चाहिए लेकिन चुनाव आयोग विपक्षी दलों की इस बात को सुनने के लिए तैयार नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569